MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष: 4 : अंक:16 | ग्वालियर, 24 नवम्बर शुक्रवार 2023 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

राहुल गांधी को पनौती और जेबकतरे वाले बयान पर चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस तो मल्लिकार्जुन खरगे ने कही ये बात

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार (23 नवंबर) को पार्टी नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग से नोटिस मिलने पर कहा कि हम तैयार हैं. इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर भी हमला किया. मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, राहुल गांधी मिले नोटिस का हम सामना करेंगे. नोटिस को देखेंगे. उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी तुष्टिकरण कर रही है. दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पनौती मोदी और जेबकतरे वाली टिप्पणी को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है.आयोग ने राहुल गांधी से शनिवार (25 नवंबर) की शाम तक नोटिस पर जवाब देने को कहा है. उन्होंने विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद ये टिप्पणी की थी. स्टेडियम में पीएम मोदी भी मैच के दौरान मौजूद थे.

राहुल गांधी ने क्या कहा था–राहुल गांधी ने राजस्थान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था, पीएम का मतलब पनौती मोदी है. मोदी कभी-कभी क्रिकेट मैच में चले जाते हैं. वो अलग बात है कि हरवा दिया. इसको लेकर ही बीजेपी ने उनके खिलाफ चुनाव आयोग से बुधवार को शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की थी.

बीजेपी ने चुनाव आयोग से क्या कहा है–बीजेपी नेता राधा मोहन दास अग्रवाल और ओम पाठक सहित प्रतिनिधिमंडल में शामिल अन्य नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की थी. आयोग के सौंपे ज्ञापन में पार्टी ने कहा था कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई हो क्योंकि उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है.

राजौरी एनकाउंटर के बीच स्थानीय लोगों से पाकिस्तानी आतंकी की बातचीत का वीडियो वायरल

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में मुठभेड़ के बीच एक पाकिस्तानी आतंकी का वीडियो सामने आया है, जिसमें उसे स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए और कथित तौर पर खाना मांगते हुए देखा जा रहा है. जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा अधिकारियों ने आतंकी का वीडियो जारी किया है, जिसे सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपलोड किया है.बता दें कि राजौरी एनकाउंटर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक शीर्ष आतंकवादी मारा गया है और इसमें के चार जवान शहीद हो गए हैं. आतंकी का नाम क्वारी बताया गया है. वीडियो में पांच लोग दिख रहे हैं, जिनमें तीन महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं. उनमें से एक शख्स को आतंकी क्वारी के रूप में बताया गया है.एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा अधिकारियों की ओर से जारी वीडियो में आतंकी राजौरी में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ शुरू होने से पहले स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करते हुए देखा जा रहा है.बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में विशेष बलों के दो कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे और दो अन्य घायल हो गए. धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में रात भर के विराम के बाद गुरुवार सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि रात भर में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की मदद से इलाके की घेराबंदी कर दी गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकी घने जंगली इलाके की ओर न भाग सकें.

कौन था मारा गया पाकिस्तानी आतंकी–प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया. प्रवक्ता ने कहा, ''उसे पाकिस्तान और अफगान मोर्चे पर प्रशिक्षित किया गया था. वह लश्कर-ए-तैयबा का एक उच्च रैंक का आतंकी था.''उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी पिछले एक साल से अपने समूह के साथ राजौरी-पुंछ क्षेत्र में सक्रिय था. उन्होंने यह भी बताया कि मारा गया आतंकी डांगरी और कंडी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है.प्रवक्ता ने कहा कि क्वारी को क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए भेजा गया था और वह 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' बनाने में माहिर था. इस साल जनवरी में डांगरी में हुए हमले में सात लोग मारे गए थे.

सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज फातिमा बीवी का 96 साल की उम्र में निधन

सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल फातिमा बीवी का गुरुवार (23 नवंबर) को 96 साल की उम्र में निधन हो गया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. आधिकारिक सूत्र के हवाले से बताया कि न्यायमूर्ति बीवी को बढ़ती उम्र संबंधी बीमारियों के कारण कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था और आज लगभग सवा 12 बजे उनका निधन हुआ. सूत्र ने कहा, ''उनका शव पतनमतिट्टा में स्थित उनके आवास वापस लाया जा रहा है. पतनमतिट्टा जुमा मस्जिद में कल (24 नवंबर को) आखिरी रस्म पूरी की जाएगी

फातिमा बीवी के बारे में जानें–फातिमा बीवी का केरल के पतनमतिट्टा जिले में अप्रैल 1927 में जन्म हुआ था. उन्होंने 'कैथोलिकेट हाई स्कूल' से स्कूली शिक्षा पूरी की और फिर तिरुवनंतपुरम स्थित 'यूनिवर्सिटी कॉलेज' से बीएससी की डिग्री हासिल की.इसके बाद उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थित विधि महाविद्यालय से कानून की डिग्री ली और 1950 में वकील के रूप में पंजीकरण कराया. इसके बाद उन्हें 1958 में केरल अधीनस्थ न्यायिक सेवाओं में मुंसिफ के रूप में नियुक्त किया गया. उन्हें 1968 में अधीनस्थ न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और वह 1972 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बनीं. बीवी 1974 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनीं और 1980 में उन्हें आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया. उन्हें 1983 में केरल हाई कोर्ट में पदोन्नत किया गया और अगले ही साल वह वहां स्थायी जज बन गईं

विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही केंद्रीय एजेंसियां 2024

चुनाव के बाद बीजेपी के पीछे पड़ जाएंगी: ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार (23 नवंबर) को दावा किया कि जो केंद्रीय एजेंसियां वर्तमान में विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं वे 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी के पीछे पड़ जाएंगी. उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्र में सरकार तीन महीने और चलेगी.कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न मामलों में उनकी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी के बाद सांसद महुआ मोइत्रा के निष्कासन की योजना बनाई जा रही थी लेकिन इससे आखिरकार चुनाव से पहले उन्हें मदद मिलेगी.

बीजेपी पर सीएम ममता बनर्जी का निशाना –, सीएम ममता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, र्तमान में विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही केंद्रीय एजेंसियां 2024 के चुनाव के बाद बीजेपी के पीछे पड़ जाएंगी. उन्होंने कहा,मुख्यमंत्री बनर्जी ने यह भी दावा किया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार

अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण के खिलाफ है लेकिन हम उन्हें आरक्षण खत्म करना चाहती हैं और वह इसका विरोध करेंगी. उन्होंने कहा,बीजेपी भी ओबीसी कोटा के जरिए इस सिस्टम के तहत लाएंगे.

ममता बनर्जी ने बीजेपी पर लगाया भगवाकरण करने का आरोप–मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मेट्रो रेलवे स्टेशनों से लेकर क्रिकेट टीम तक देश का भगवाकरण करने की कोशिशें जोरों पर चल रही हैं. उन्होंने कहा,भगवा त्यागियों का रंग है लेकिन आप (बीजेपी) भोगी हैं.

क्रिकेट विश्वकप अगर कोलकाता में होता तो टीम इंडिया जीत जाती–सीएम ममता ने यह भी दावा किया कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच अहमदाबाद के बजाय कोलकाता या मुंबई में होता को टीएम इंडिया जीत जाती. उन्होंने कहा कि टीम ने विश्व कप में सभी मैच जीते, सिवाय उस मैच को छोड़कर जिसे पापी देखने पहुंचे थे. उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को लेकर भी केंद्र पर हमला बोला. सीएम ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में मंदी और पीएसयू बेचे जा रहे हैं.

पश्चिम बंगाल में तेजी से हो रहा निवेश- ममता बनर्जीपश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश में गाय की तस्करी के आरोपों को लेकर भी उन्होंने बीजेरी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तस्करी के लिए गायों को यूपी समेत विभिन्न राज्यों से लाया जाता है. मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल तेजी से निवेश के स्थान के रूप में विकसित हो रहा है

राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर लिखवाने की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने मांगा पुलिस से जवाब मामला?

दिल्ली हाई कोर्ट ने 2021 में बलात्कार और हत्या की शिकार दलित लड़की की पहचान उजागर करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज करने की अनुरोध वाली याचिका पर गुरुवार (23 नवंबर) सुनवाई की औरपुलिस को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया.गांधी पर पीड़िता के माता-पिता के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा कर पीड़िता की पहचान उजागर करने का आरोप है. याचिकाकर्ता मकरंद सुरेश म्हादलेकर के वकील ने दलील दी कि गांधी ने गंभीर अपराध किया है लेकिन दिल्ली पुलिस ने अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की

है.

कानून में किसी तरह की छूट नहीं–राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के वकील ने कहा कि यौन अपराधों के नाबालिग पीड़ितों की पहचान छुपाने वाले कानून में किसी तरह की छूट नहीं है और पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करनी चाहिए.

10 दिनों में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश–कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पुलिस के जवाब दाखिल करने के बाद कार्यवाही आगे बढ़ेगी. पीठ ने दिल्ली पुलिस से 10 दिनों में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया. पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 21 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की.

राहुल गांधी का अकाउंट अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था–गांधी की ओर से पेश वकील तरन्नुम चीमा ने कहा कि जनहित याचिका पर कांग्रेस नेता को अभी तक कोई औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के वकील ने कहा कि संबंधित पोस्ट के बाद गांधी का अकाउंट अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था और बाद में पोस्ट को भी हटा दिया गया था.हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया मंच गांधी को बचाने की कोशिश कर रहा है

निजी स्कूल के बैडमिंटन कोच की शर्मनाक हरकत! लड़की से मांगी न्यूड तस्वीर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

तमिलनाडु में कोयंबटूर सेंट्रल महिला पुलिस ने गुरुवार (23 नवंबर) को एक प्राइवेट स्कूल के बैडमिंटन कोच को गिरफ्तार किया है. आरोपी कोच ने छात्रा से वॉट्सऐप पर अपनी नग्न तस्वीरें भेजने को कहा था.गिरफ्तार कोच की पहचान कोयंबटूर शहर के सोवरीपलायम में रहने वाले 28 साल डी अरुण ब्रून

के रूप में की गई है. टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक पुलिस सूत्रों ने बताया कि वह पिछले छह महीने से अविनाशी रोड स्थित एक प्राइवेट स्कूल में टेम्परेरी बैडमिंटन कोच के रूप में काम कर रहा था.

लड़की ने न्यूड तस्वीर देने से किया इनकार–रिपोर्ट के मुताबिक 11वीं कक्षा की एक 17 वर्षीय छात्रा ने अरुण को पहले अपनी सामान्य तस्वीर भेजी थी. इसके बाद उनसे छात्रा से वॉट्सऐप पर नग्न तस्वीर भेजने को कहा. हालांकि, लड़की ने उसे अपनी न्यूड तस्वीरें देने से इनकार कर दिया.इसके बाद लड़की ने इस बात की सूचना अपने माता-पिता को दी, जिन्होंने बुधवार (22 नवंबर) की शाम को केंद्रीय महिला पुलिस निरीक्षक वाडिवुकरसी के पास शिकायत दर्ज कराई.

'IED ब्लास्ट और स्नाइपर एक्सपर्ट, राजौरी में सेना ने ढेर किया लश्कर का आतंकी, भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की एक और नापाक हरकत सामने आई है. सीमा से सटे इलाके में पाकिस्तान ने ड्रोन की मदद से गोला बारूद गिराए. इसके साथ ही एक आतंकवादी भी मौत के घाट उतारा गया है. ये आतंकवादी आईईडी और स्नाइपर चलाने में एक्सपर्ट था.ऑपरेशन में मारे गए आतंकवादी की पहचान क्वारी के रूप में हुई है. वो एक पाकिस्तानी नागरिक और कट्टर आतंकवादी था. उसे पाक और अफगान मोर्चे पर ट्रेनिंग दी गई. अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि वो लश्कर-ए-तैयबा का एक टॉप रैंक वाला आतंकवादी था जो कई मामलों में एक्सपर्ट था. क्वारी पिछले एक साल से अपने ग्रुप के साथ राजौरी-पुंछ में सक्रिय था. उसे डांगरी और कंडी हमलों का मास्टरमाइंड भी माना जाता है. उसे इलाके में फिर से आतंकवाद फैलाने के लिए भेजा गया था. वहीं, ड्रोन से गिराए गए नौ ग्रेनेड और एक आईईडी समेत हथियार और विस्फोटक बरामद होने की जानकारी पुलिस ने दी. अधिकारियों ने बताया कि ये हथियार और विस्फोटक एक बक्से में बंद थे, जिन्हें एलओसी के निकट पालनवाला में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाश अभियान के दौरान बरामद किया गया.

राजस्थान में कभी भी नहीं होगी गहलोत सरकार की वापसी, पीएम मोदी ने फिर किया ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार (23 नवंबर) को राजस्थान के देवगढ़ पहुंचे. यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया और बीजेपी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा. लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस और राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने जनसभा में मौजूद भीड़ को देखकर कहा, ÷आज मैं इस जनसभा में पुरुष और महिलाओं की इतनी भीड़ देखकर आश्चर्यचकित हूं. मैं इतनी बड़ी तादात में हम सबको आशीर्वाद देने के लिए आने वालों को आभार और माताओं व बहनों को प्रणाम करता हूं.उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, ÷कुछ लोगों को बीजेपी की ताकत का अंदाजा

नहीं है. उन्हें लगता है कि मोदी को गाली दे दोगे तो हो जाएगा. वो नहीं जानते कि कार्यकर्ता ही इस पार्टी की ताकत हैं. इस पार्टी में चार-चार पीढ़ी खप गई हैं और सबका एक ही सपना रहा और वो है भारत माता की जय.÷

'महिलाओं ने कांग्रेस को हराने का संकल्प ले लिया है'–पीएम मोदी ने आगे कहा, ÷मैं राजस्थान में जहां-जहां गया, वहां एक बात देखने को मिल रही है. हर कोई अशोक गहलोत से कह रहा है कि आपको वोट नहीं मिलेगा.÷ मोदी ने आगे कहा, राजस्थान की महिलाएं अब कांग्रेस सरकार को एक पल के लिए भी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है. राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी है. इसलिए राजस्थान के जन-जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है.÷

कभी नहीं होगी कांग्रेस की वापसी–पीएम ने एक बार फिर कहा, ÷इस बार तो छोड़ दीजिए, अब राजस्थान में कभी भी गहलोत सरकार की वापसी नहीं होगी. कांग्रेस ने राजस्थान को महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर-1 बना दिया है. यहां के सीएम कहते हैं कि यहां की महिलाएं रेप के झूठे मुकदमे दर्ज कराती हैं.÷

बोफोर्स घोटाले का भी किया जिक्र–पीएम मोदी ने आगे कहा, ÷कांग्रेस की सरकार ने फौज को हमेशा कमजोर करने का काम किया है. आजादी के बाद देश का सबसे पहला घोठाला बोफोर्स था जो कांग्रेस सरकार ने किया था.

मोदी को अपशब्द बोले जाने से अमित शाह नाराज, कहा– जनता जवाब देगी

राजस्थान में विधानसभा चुनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोले जाने पर गृहमंत्री अमित शाह ने नाराजगी जताई है. उन्होंने कहा, राजस्थान में मोदी जी को अपशब्द बोला गया है, जब-जब प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द बोला गया है तो जनता ने उसका जवाब दिया है. राजस्थान में बीजेपी की सरकार बन रही है

केंद्रीय गृहमंत्री ने आगे कहा,मैंने राजस्थान का दौरा किया है और मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान में बीजेपी की सरकार बन रही है. जनता ने कांग्रेस की विदाई का मन बना लिया है. बीजेपी ने 1 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं से संपर्क किया है. परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण का जो परिचय राजस्थान की सरकार ने किया है उससे हर कोई वाकिफ है.

कांग्रेस ने नहीं दिए मेरे सवालों के जवाब–गृहमंत्री ने कहा,मैंने कांग्रेस से कई बार

सवाल किया लेकिन आज तक जवाब नहीं मिला. मैंने पूछा, जब आपकी सरकार थी तो आपने राजस्थान के लिए क्या किया? लेकिन मुझको आज तक कोई जवाब नहीं मिला.कांग्रेस की सरकार जब केंद्र में थी तो उन्होंने सिर्फ दस साल मे दो लाख करोड़ रुपये राजस्थान को दिए जबकि बीजेपी ने 9 साल में 8 लाख 70 हजार करोड़ रुपए दिए हैं. गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि राजस्थान में अगर सबसे खराब हालत किसी की रही है तो वह महिलाओं और दलितों की रही है.

भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई लाल डायरी–लाल डायरी राजस्थान में भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है. लाल डायरी से गहलोत क्यों डरते है. सभी लोग राजस्थान सरकार से परेशान है. अशोक गहलोत ने राजस्थान का बंटाधार किया है. अशोक गहलोत का एक ही एजेंडा वैभव गहलोत को सीएम बनना. गहलोत की खुद की गारंटी नहीं है वह दूसरों को क्या गारंटी देंगें?वोट बैंक की राजनीति के कारण दंगाईयों पर कारवाई नहीं होती है. राजस्थान सरकार में काम का हिसाब नहीं मिलता है. राजस्थान में पिछले 5 साल में महिला और दलित की स्थिति खराब है. राजस्थान के 5 करोड लोगों को किसान सम्मान निधी मिल रही है. मैं 6 महीने से राजस्थान लगातार घूम रहा हूं.

पाली में भक्तो ने स्वामीनारायण भगवान को प्रेम पूर्वक अन्नकूट का भोग...

पुष्पांजलि टुडे नेटवर्क संवाददाता
नरेश कुमार सीरवी पाली राजस्थान
अजय कुमार जैन की ग्राउंड रिपोर्ट

जवाली ,निम्बाडा - बीएपीएस स्वामीनारायण सत्संग मंडल के द्वारा आयोजित अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पाली मण्डल के संचालक मुकेश भाटी ने बताया की रतनेश्वर महादेव बगीची मे भव्य अन्नकुट उत्सव का आयोजन पूज्य परममुनि स्वामी एवं पूज्य धर्ममनन स्वामी (जयपुर अक्षरधाम मंदिर मंदिर),
के पावन सानिध्य मे मनाया गया. 265 व्यंजनो का महाभोग भगवान को अर्पण कर सत्संग सभा का लाभ लिया. करीब 500 से अधिक हरिभक्तो ने इसका लाभ लिया ।सभी भक्तों ने अपने घर से भगवान के भोग के लिए व्यंजनो की शृंखला लगा दी ।इस मोके पर संदीप नेहरा,लोकेश सेन, कांतिलाल दवे,गोपिकिशन बिड़ला,राजेश्वर पुरी ,दीपक देवड़ा, श्री किशन परिहार ,चेतन थेपड़िया, पंकज सेन साहित सेकदो कि सांख्य में श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

अशोक राजपुरोहित ने लोगों से की अपील - बोले मतदान कर मौलिक अधिकार का करे उपयोग

पुष्पांजलि टुडे पाली
संवाददाता
नरेश कुमार सीरवी

जवाली /खरोकडा / संवेदना फाऊंडेशन मुंबई के उपाध्यक्ष अशोक राजपुरोहित ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इतने बड़े देश में सभी धर्मों के लोग अनेकता होने के वाबजूद एकता के साथ रहते हैं। अशोक राजपुरोहित खरोकडा ने कहा कि हम सभी अधिकारों की मांग तो करते हैं, परंतु जब उन अधिकारों के तहत कड़र्तव्यों के निर्वहन की बात आती है तो हम, वह जज्बा नहीं दिखाते हैं जो दिखाना चाहिए। भारत का संविधान सभी देश के नागरिकों को मतदान का अधिकार देता है, इस अधिकार का प्रयोग

हम सभी को अपना पहला कड़र्तव्य मानते हुए पूरा करना चाहिए। मै सभी लोगों खासकर अपने समाज के लोगों से अपील व आग्रह करना चाहूंगा कि लोकतंत्र के इस महापर्व पर सभी लोग अपने घरों से बाहर निकलें और अपने मताधिकार का जरूर प्रयोग करें। एक मत से भी प्रत्याशी की हार-जीत होती है। ऐसे में सभी को अपना बहुमूल्य मतदान जरूर करना चाहिए।समाज को नई दिशा देने के लिए हमें अच्छी सरकार को चुनना होगा। अशोक राजपुरोहित खरोकडा ने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती मतदान ही है। इससे सशक्त और मनचाही सरकार बनती है। ऐसे में मतदान करना बहुत जरूरी है और वह भी सोच-समझकर। 25 नवबंर को विधानसभा चुनाव में सभी जरूर मतदान करें। कई लोग यह सोचकर वोट डालने नहीं जाते हैं कि हमें चुनाव से क्या लेना देना है। मेरी एक वोट से क्या होगाड़ ऐसा नहीं होना चाहिए। हमें चुनाव में पूरी दिलचस्पी दिखानी चाहिए। हर वोटर को इस बात को ध्यान में रखकर वोट देना चाहिए कि कौन प्रत्याशी और सरकार हमारे समाज, राज्य और देश के लिए अच्छी है। कौन आम जनता के मुद्दों पर बात करता है। ऐसे में जनता सोच-समझकर मतदान करें।

सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ आचार्य से चातुर्मास प्रवास की विनती

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु. सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ,मैसूरु का ट्रस्ट मंडल चेन्नई राज्य के वेपेरी पहुंचा द्य वहां पर केसरसूरी सामुदाय के आचार्य गच्छाधिपति विज्ञानप्रभ सूरीश्वर आदि ठाणा - 12 के दर्शन वंदन कर सुखसाता पुछी द्य आचार्य ने मांगलिक सुना कर आशीर्वाद दिया द्य सुमतिनाथ जैन ट्रस्ट मंडल ने आचार्य तथा साध्वी वृन्द से आगामी 2024 का चातुर्मास मैसूरु में स्थापित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में करने की विनती की गई द्य आचार्य ने विचार-विमर्श कर जवाब देने का आश्वासन दिया द्य वेपेरी जैन संघ के तत्वावधान तथा आचार्य की निश्रा में चल रहें अनेक तपस्याओं सहित साध्वी वृन्द की पांच सौ आयंबिल की तपस्या की पूर्णाहुति के अवसर पर मैसूरु संघ ने संघ पूजन का लाभ लिया द्य इस अवसर पर सुमति नाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष भैरुमल राठोड़,कोषाध्यक्ष मंगलचंद पोरवाल,ट्रस्टी हंसराज पगारिया,नगराज राठोड़,ताराचंद बंदामुथा एवं वेपारी संघ के अध्यक्ष तेजराज कोठारी,सचिव आकाश जैन,ट्रस्टी चंपालाल राँका,वसंत बंदामुथा उपस्थित रहें द्य मंच संचालन दिलीप वैदमुथा ने किया

विद्यार्थियों को विद्या रत्न देकर किया सम्मानित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा वायलीकावल स्थित श्री कृष्ण देव राय सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलनकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मैट्रिक एवं पीयूसी परीक्षा में श्रेष्ठ अंको से उत्तीर्ण होने वाले राज्य के ढाई सौ से भी ज्यादा विद्यार्थियों को विद्या रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर वेदिके के कृष्णप्पा, हरीकृष्णा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे. धन्यवाद

विधानसभा निर्वाचन 2023 : किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम के प्रकाशन पर 30 नवम्बर तक पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 7 नवंबर की सुबह 7 बजे से 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई थी।

बड़वारा में मनाई गई संत नामदेव जयंती

संभागीय ब्यूरो
गौरीशंकर कुशवाहा की खबर

देवेंद्रनगर तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़वारा में श्री श्री 1008 संत नामदेव जी महाराज की 753वीं जयंती नामदेव समाज बंधुओ द्वारा नामदेव मंदिर बड़वारा में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई जयंती समारोह का प्रारंभ प्रातःप्रभात फेरी के द्वारा ग्राम भ्रमण किया गया। इसके बाद मंदिर की भव्य सजावट की गई संत श्री की पूजा अर्चना हवन कार्यक्रम कर आकर्षक आरती का आयोजन कर भोग प्रसाद वितरित किया गया। रात्रि में महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किया गया। संत नामदेव जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य श्री गोपाल दत्त द्विवेदी, नारायण दास,राकेश,जगतराज,संतोष,उत्तम, चंद्रिका,भागवत, रामलगन,राजेश,रज्जनभाई,भोला प्रसाद,कमलेश,अरविंद,पप्पू, प्रदीप,पुरुषोत्तम,दुर्गाप्रसाद, उमेश, नरेंद्र,रामखिलावन,बबलूअजितकुमार, सत्येंद्र, सचिन,चंदूलाल,रमाकांत, प्रेमलाल,जीनियस,बाबूलाल, राजाराम,कैलाश,मुकेश, आकाश एवं श्रीकांत नामदेव सहित समाज के बड़े बुजुर्ग बच्चों महिलाओं का विशेष योगदान रहा।

महिला सुरक्षा शाखा एवं महिला थाना द्वारा पति-पत्नी में आपसी समझौता कराया

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूनम थापा शर्मा के निर्देशन में दिनांक 23/11/23 को आवेदिका श्रीमती रामबाई पत्नि महेश कुमार उम्र 46 साल निवासी शिकारी पुरा थाना दिमनी जिला मुरैना हाल अंगनू का पुरा सुकाण्ड थाना गोरमी जिला एवं अनावेदक पति महेश पुत्र बेनीराम जाटव उम्र 44 साल निवासी शिकारी पुरा थाना दिमनी जिला मुरैना का 10 -11 माह के विवाद पर से आपसी समझौता कराया। जिसमे आवेदिका ने कहा कि मुझे शक है कि मेरे पति का किसी अन्य महिला से अवैध संबंध है जिसके बहकावे में आकर मेरी

व मेरे पुत्र शैलेन्द्र की मारपीट करते हैं। तब आवेदिका परेशान होकर महिला थाना भिण्ड में आवेदन पत्र दिया।उक्त विवाद के कारण पति पत्नी अलग अलग रह रहे थे। आवेदिका द्वारा दिये गये शिकायती आवेदन पर आज दिनांक 23/11/23 को महिला थाना भिण्ड मे दोनो पक्षों की काउन्सलिंग कराई गई जिसमे अनावेदक पति महेश पुत्र बेनीराम जाटव ने कहा कि मेरा किसी अन्य महिला से कोई भी अवैध संबंध नहीं है,मैं भविष्य में कभी अपनी पत्नी के साथ मारपीट नही करूंगा और गाली - गलौच नहीं करूंगा । जिस कारण आवेदिका पत्नि अपने पत्ति के साथ खुशी खुशी जाने को तैयार हो गई।उक्त प्रकरण में पति - पत्नी ने एक दूसरे को फूल माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बेहतर जीवन जीने की कसमें खाई।उल्लेखनीय कार्य में उपनिरीक्षक गीता सिकरवार,मिथलेश भदौरिया, एएसआई आस्तिक भदौरिया,प्रधान आरक्षक रामजी अरेले,महिला आरक्षक कल्पना जयंत,नीरज पोर्सिया,सीमा पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देवउठनी ग्यारस पर एक गन्ने की न्यूनतम कीमत ?30 से शुरू हुई

मुंगावली- देवउठनी ग्यारस का पर्व मनाया जाएगा हिसाब कर पर सोए हुए देवताओं को धूमधाम से जगाया जाता है उन्हें नई फसलों का चढ़ावा चढ़ेगा यह त्यौहार गन्ने के बिना अधूरा है बल्कि इस त्यौहार को गन्ना ग्यारस का कहा जाता है वही आज से ही इस पर्व के लिए गन्नो की बिक्री शहर में शुरू हो गई आज शुरुआती दौर में एक गन्ने की न्यूनतम कीमत ?30 से शुरू हुई यानी पूजन के लिए कम से कम पांच गन्नो की परंपरा है तो डेढ़ सौ रुपए के 5 गन्ने बाजार में मिल रहे हैं गन्ने की बड़ी हुई कीमतों को लेकर किसान बताते हैं कि किसानों ने जब से इसकी फसल उगाना कम कर दी है इससे न केवल क्षेत्र में रखवा भी घटा है बल्कि क्षेत्र के किसानों का काफी नुकसान हुआ है अशोकनगर तक इसकी खेती जोरों से होती थी लेकिन अब नाम मात्र के लिए उगाया जाता है ऐसे में उत्पादन काम होने से कीमत अधिक हो गई है

थाना पिछोर पुलिस को मिली सफलता 02 स्थाई वारंटी गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदोरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मूले द्वारा चलाए जा रहे स्थाई वारंट अभियान के अंतर्गत एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 23 /11/2023 को थाना प्रभारी पिछोर निरीक्षक शिव सिंह यादव के नेतृत्व में माननीय विशेष न्यायालय शिवपुरी के प्रक. 636/22 एसएसटी में फरार स्थाई वारंटी घनश्याम पुत्र कल्याण सिंह गौर उम्र 38 साल तथा लाल सिंह पुत्र साहब सिंह गौर उम्र 35 साल निवासीगण सुजवाहा को मुखबीर सूचना पर गिरफ्तार का माननीय न्यायालय पेश किया गया है

उक्त कार्यवाही में-थाना प्रभारी निरीक्षक शिव सिंह यादव, सउनि. सतीश जयन्त ,प्रधान आरक्षक मदन मोहन , दीप चंद्र ,प्रदीप गौरव, माधव शंकर राघवेंद्र पाल, मांगीलाल गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही

देवउठनी ग्यारस से मंगलिक कार्यों की होती है शुरुआत

सिरोंज/ विदिशा
ब्यूरो चीफ मोहित शर्मा

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। वहीं सभी एकादशियों में देवउठनी एकादशी एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है क्योंकि इस दिन चातुर्मास की समाप्ति के साथ ही सभी मांगलिक कार्य भी शुरू हो जाते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। इन दिन भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए साधकों द्वारा व्रत भी किया जाता है। देवउठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। देवउठनी एकादशी के दिन ही चातुर्मास की समाप्ति मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि देव उठनी एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।

देवउठनी ग्यारस संस्कारधानी से जुड़ा हुआ एक बेहद महत्वपूर्ण दिन

राष्ट्रीय कथा वाचक राजनारायण शर्मा ने बताया कि देवउठनी ग्यारस संस्कारधानी से जुड़ा हुआ एक बेहद महत्वपूर्ण दिन है। वजह ही कुछ ऐसी है। ग्यारस के ही दिन श्रीकृष्ण और रुकमणी का नर्मदा के पास त्रिपुरी में प्रेम विवाह हुआ था। यह बात द्वापर युग कि है, जिसके प्रमाण महाभारत, स्कंद पुराण और भगवत पुराण में मिलते हैं। उन्होने बताया कि राधा ही रुकमणी थी और भीष्म के यहां उनका जन्म हुआ था। राधा-कृष्ण का प्रसंग भी बरसाना में शुरू हुआ था।

श्रीहरि ने एकादशी को दिया था सभी तीर्थों में प्रधान होने का वरदान- राष्ट्रीय कथा वाचक राजनायारण शर्मा ने बताया कि देवउठनी ग्यारस को वैतरणी एकादशी भी कहते हैं, क्योंकि इस दिन देवी एकादशी का जन्म हुआ था इसलिए इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। वैतरणी एकादशी को व्रत-उपवास रखने से शीघ्र ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अगहन मास भगवान कृष्ण और विष्णु की भक्ति का मास है। इस दिन भगवान

विष्णु के शरीर से माता एकादशी उत्पन्न हुई थी अत- इस दिन कथा श्रवण का विशेष महत्व माना गया है। हेमंत ऋतु में आने वाली इस एकादशी को उत्पत्तिका, उत्पन्न और वैतरणी एकादशी कहा जाता है।

मुर को श्रीहरि के आशीर्वाद से उसने ही मारा-वैतरणी एकादशी की इस कथा के अनुसार सतयुग में एक मुर नामक दैत्य था जिसने इन्द्र सहित सभी देवताओं को जीत लिया। भयभीत देवता भगवान शिव से मिले तो शिवजी ने देवताओं को श्रीहरि विष्णु के पास जाने को कहा।जागने पर श्रीहरि को उस कन्या ने, जिसका नाम एकादशी था, बताया कि मुर को श्रीहरि के आशीर्वाद से उसने ही मारा है। खुश होकर श्रीहरि ने एकादशी को सभी तीर्थों में प्रधान होने का वरदान दिया। इस तरह श्रीविष्णु के शरीर से माता एकादशी के उत्पन्न होने की यह कथा पुराणों में वर्णित है। इस एकादशी के दिन त्रिस्पृशा यानी कि जिसमें एकादशी, द्वादशी और त्रयोदशी तिथि भी हो, वह बड़ी शुभ मानी जाती है। इस दिन एकादशी का व्रत रखने से एक सौ एकादशी व्रत करने का फल मिलता है।

निद्रा से जागते हैं भगवान विष्णु-आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहते हैं। माना जाता है कि इसी दिन से भगवान श्रीहरि क्षीरसागर में विश्राम करने चले जाते हैं। इसलिए इस तिथि से सभी मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन संस्कार कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। वहीं, देवउठनी एकादशी तिथि पर जब भगवान विष्णु अपनी निद्रा से जागते हैं तब चातुर्मास समाप्त मानी जाती है और सभी मांगलिक कार्यों का भी शुभारंभ हो जाता है। साथ ही देवउठनी एकादशी एक अबूझ मुहूर्त भी है अर्थात इस दिन सभी मांगलिक और धार्मिक कार्य बिना मुहूर्त देखे शुरु किए जा सकते हैं।

बाजार में रही धूम, जमकर बिके गन्ने - देवउठनी ग्यारस के दिन सभी हिंदू परिवारों में दिन में घरों की साज सज्जा की जाती है रंगोली बनाई जाती है एवं रात्रि के समय परिवार के साथ देव उठाए जाते हैं जिसको लेकर आज बाजार में भी काफी दूर देखने को मिली इस दिन विशेष कर गन्ना और सिंघाड़ा का महत्व रहता है इसलिए नगर में जगह-जगह गन्ना बिकता हुआ दिखाई दिया

भिंड कलेक्टर ने भाजपा का एजेंट बनकर किया है चुनाव में काम : डॉ. गोविन्द सिंह

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे
चुनाव आयोग को शिकायत पत्र सौपा

भोपाल/भिण्ड । नेता प्रतिपक्ष व लहार विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. गोविंद सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त चुनाव आयोग दिल्ली एवं चुनाव आयुक्त भोपाल मध्यप्रदेश को लिखित शिकायत पत्र सौपते हुए कहा कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड संजीव श्रीवास्तव के रहते आगामी 03 दिसम्बर 2023 को होने वाली मतगणना की निष्पक्षता में संदेह होने की प्रबल संभावना है । डॉ. सिंह ने कहा कि चुनाव के दौरान लहार विधानसभा क्षेत्र क्र.11 में श्री श्रीवास्तव द्वारा एकपक्षीय होकर भाजपा के एजेण्ट के रूप में कार्य किया है। यदि इनके रहते मतगणना होती है, तो मतदान के आंकड़ों में हेरफेर कर चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं ।डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि चुनाव के समय इनके द्वारा की गई भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी निम्नानुसार है ।

(1) जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव द्वारा अपनी पदस्थापना के समय से ही अपने अधीनस्थ अधिकारियों से यह पूछते रहे कि डॉ. गोविन्द सिंह विधानसभा क्षेत्र लहार से लगातार 07 बार किस प्रकार चुनाव जीतते रहे, इसकी गोपनीय जानकारी से उन्हें अवगत कराया जाए ।

(2) जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड द्वारा साजिशन विधानसमा क्षेत्र लहार में निर्वाचन ड्यूटी में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों को मताधिकार से वंचित किया गया । जबकि कर्मचारियों द्वारा मतदान हेतु फार्म 12 जमा करने के बाद भी किसी भी कर्मचारी को पावती नहीं दी गई और न ही उन्हें मतपत्र जारी किए गए । उक्त कर्मचारियों को दिनांक 10 नवम्बर 2023 से 15 नवम्बर 2023 तक सहायक रिटर्निंग ऑफिसर लहार के कार्यालय में मतदान करना था। ऐसे कर्मचारी जो ड्यूटी में संलग्न थे और उनके पास ड्यूटी प्रमाण पत्र भी था, लेकिन डाक मतपत्र सूची (ई.डी.सी. लिस्ट) में उनका नाम नहीं होने से लगभग 500 - 600 शासकीय कर्मी मतदान से वंचित रह गए। सुरक्षा कार्य में संलग्न अनेक थाना प्रभारी/हेड कांस्टेबल एवं आरक्षकों को भी मतपत्र जारी नहीं किए जाने से वे मताधिकार से वंचित रह गए। इस संबंध में कांग्रेस पार्टी के चुनाव अभिकर्ता द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन मध्यप्रदेश, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर भिण्ड एवं प्रेक्षक विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी विधानसभा क्षेत्र लहार को लिखित में शिकायत की गई । इसके बाद भी

चुनाव कार्य में संलग्न शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों को मताधिकार से जानबूझकर वंचित किया गया।

विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड के निर्वाचन कार्य में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा डाले गए डाक मतपत्रों को कोषालय में जमा नहीं किया । इस संबंध में मेरे द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसका पता नहीं है। इसकी शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन मध्यप्रदेश को करने के बाद लहार की आई.टी.आई. में एक खुली आलमारी में डाक मतपत्र पाए गए । जिसमें कई लिफाफे खुले हुए थे । इसके एक दिन बाद उक्त डाक मतपत्र कोषालय भिण्ड में जमा कराए गए।

भिण्ड जिले के अन्तर्गत 05 विधानसमा क्षेत्र है एवं सम्पूर्ण जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की जिम्मेदारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव की है। परन्तु श्री श्रीवास्तव मतदान के दिन दिनांक 17/11/2023 को पूरे समय लहार विधानसभा क्षेत्र में ही रहे। इनके निर्देश पर मतदाताओं से परिचय पत्र एवं आधार कार्ड एवं अंगुली के निशान आदि के नाम पर प्रताड़ित किया गया, जिससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सके । मतदान केन्द्र क्र.50 धनुपुरा एवं मतदान केन्द्र क्र.45 गांध में अनेक मतदाताओं के साथ मारपीट की गई, जिससे अनेक मतदाता, मतदान नहीं कर सके इसी प्रकार कांग्रेस पार्टी के चुनाव एजेण्टों को मतदान केन्द्र से बाहर बैठा रखा गया जिससे पीठासीन अधिकारियों द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर भाजपा के पक्ष में फर्जी मतदान कराया गया। मतदान केन्द्र के भीतर क्या हो रहा है,इससे कांग्रेस पक्ष के अभिकर्ताओं को वंचित रखा गया। डॉ. सिंह ने बताया कि इसकी शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश, जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी लहार को की गई। विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड में निर्वाचन कार्य में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के पोस्टल बैलेट जमा नहीं किए जाने के संबंध में कांग्रेस पार्टी के निर्वाचन अभिकर्ता नरेश सिंह चौहान एडवोकेट द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, प्रेक्षक विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी को शिकायतें की गई । शिकायतों की छायाप्रति संलग्न है ।विधानसभा क्षेत्र क्र. 11 लहार जिला भिण्ड में मेरे गृह ग्राम वैसपुरा के मतदान केन्द्र क्र. 157 एवं कांग्रेस समर्थित मतदान केन्द्रों पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव शाम 6 (छह) बजे मतदान पूर्ण होने तक रहे । जबकि भाजपा समर्थित मतदान केन्द्र शाहपुरा, सिकरी, बरहा, लालपुरा, चिरौली एवं मेहरा सहित अन्य मतदान केन्द्रों पर श्री श्रीवास्तव नहीं गए ।डॉ. गोविंद सिंह ने पत्र में लिखा है,कि दिनांक 03 दिसम्बर 2023 को होने वाली मतगणना प्रक्रिया से भिंड जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को अलग रखकर अन्य किसी वरिष्ठ अधिकारी/प्रेक्षक की देखरेख में मतगणना संपन्न कराई जाए ।

डूबते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर आस्था और विश्वास का महापर्व मनाया गया

चार दिनों तक होता है भव्य आयोजन

बैतुल। सारणी। आस्था और विश्वास का महापर्व छठ कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा,विद्युत नगरी सारनी,देवन नदी,तेलिय डोह नदी पर मनाने का कार्य बड़े उत्साह के साथ किया जा रहा है। यह त्यौहार चार दिनों तक मनाया जाता है और इस त्यौहार की शुरुआत 17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हो जाएगा।पहले दिन खरना का प्रसाद बनेगा,जबकि इसके अगले दो दिनों तक भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा तथा आखिरी दिन व्रती पारण करेंगे और छठ का महापर्व समाप्त हो जाएगा।चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व की अपनी एक अलग महानता है। व्रत के सभी अलग-अलग दिनों का महत्व काफी खास होता है। छठ व्रत के दौरान सभी दिनों का अपना एक अलग महत्व होता रहाता है।छठ का व्रत अलग-अलग रूप में और कठिन होता है उसके बाद भी उत्तर भारत की महिलाएं इसे बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाने का कार्य करती है।पहला दिन छठ व्रत की शुरुआत नहाय-खाय के साथ होता किया जाता है।कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी तिथि को छठ पर्व के पहले दिन नहाय खाय होता है। जिसमें छठ व्रतियां किसी भी नदी,तालाब या अन्य किसी भी जलाशय में स्नान कर इसकी शुरुआत करती हैं। इसके पहले घर की साफ सफाई

कर ली जाती है और नहाय-खाय के दिन अरवा चावल,चने की दाल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद बनाया जाता है।जिसमें सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है।यह प्रसाद लोगों के बीच वितरित भी किया जाता है और यही से छठ पर्व की शुरुआत होती है। दूसरा दिन छठ पर्व के दूसरे दिन को खरना के रूप में जाना जाता है।इसी दिन से छठ व्रती का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है।पहले सुबह से ही व्रती अन्न जल त्याग कर भगवान सूर्य की आराधना करने लगते हैं। शाम के वक्त अरवा चावल,दूध,गुड़,खीर इत्यादि का प्रसाद बनता है तथा भगवान सूर्य को चढ़ाने के बाद व्रती अल्प प्रसाद ग्रहण करती हैं।इस दिन निर्जला उपवास की शुरुआत हो जाती है। तीसरा दिन छठ पर्व का तीसरा दिन सबसे कठिन होता है। इस दिन छठ व्रतियों के निर्जला उपवास का दूसरा दिन प्रारंभ हो जाता है और इसी दिन छठ व्रती के द्वारा पूजा के दौरान इस्तेमाल में लाया जाने वाला ठेकुआ सहित अन्य प्रसाद भी बनाया जाता है।इसी दिन शाम के वक्त लोग छठ घाट जाते हैं और डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। विद्युत नगरी सारनी के स्टीम वाल पर भोजपुरी एकता मंच के माध्यम से भव्य रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है,और यहां पर सारी व्यवस्था नगर पालिका परिषद सारनी और प्रशासनिक महक में के माध्यम से की जाती है।इस बार आदर्श आचार संहिता लगे होने की वजह से आयोजन को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा है।चौथा दिन यानी कि सोमवार सुबह छठ पर्व का चौथा दिन कार्तिक मास शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि को होता है।दिन भोर मे सुबह भगवान सूर्य के उदीयमान स्वरूप को कड़ाके की ठंड में जल में खड़े होकर अर्घ्य दिया जाता है। सुबह के वक्त छठ घाट पहुंचते हैं और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।इसके बाद छठ व्रतियों के द्वारा पारण किया जाता है तथा छठ का व्रत खोल दिया जाता है। इसी के साथ आस्था विश्वास का महापर्व कहा जाने वाला छठ पर्व का समापन भी हो जाता है।

गाय अष्ट सिद्धियों की दाता है - सांसद दुर्गादास उइके

भारत भारती गौशाला में गोपाष्टमी पर किया गौपूजन

बैतुल। गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर भारत भारती गौशाला में सैंकड़ों गौ श्रद्धालुओं ने गौमाताओं का पूजन किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद श्री दुर्गादास उइके, अध्यक्ष श्री रामदास यादव, विशेष अतिथि श्री बुधपाल सिंह ठाकुर, श्री मुकेश खंडेलवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, श्री राजन पुरी, श्री श्यामराव बारंगे, संस्था सचिव मोहन नागर ने गौशाला की वंशी गाय की पूजा की । इसके पश्चात समारोह में उपस्थित सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने गायों की विधिवत आरती कर उन्हें गोग्रास दिया ।समारोह को सम्बोधित करते हुए भारत भारती के सचिव मोहन नागर ने कहा कि भारत भारती गौशाला गौपालन व जैविक कृषि का प्रशिक्षण केन्द्र है ।

यहाँ गौ आधारित कृषि को लेकर अनेक आयामो का प्रशिक्षण दिया जाता है । उन्होंने कहा कि गाय भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था का केन्द्र बिन्दु है । अगर गाय समाप्त हुई तो अनेक जीव श्रंखलाएँ समाप्त हो जायेगी ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री दुर्गादास उइके ने कहा कि गया आयु, प्राण, ओज, तेज आदि अष्ट सिद्धियों की दाता है । श्री कृष्ण भगवान ने हजारों वर्ष पूर्व हमे गौपाल करना सिखाया था । उसी परम्परा में गोपाष्टमी जैसे उत्सव समाज मे मनाये जाते हैं । उन्होंने गाय को कृषि व्यवस्था की धुरी बताते हुए कहा कि हमें गौपालन की ओर पुनः आना होगा ।कार्यक्रम में गौपालन करने वाले आसपास के ग्रामो के गौसेवकों का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया ।कार्यक्रम का संचालन श्री जितेंद्र तिवारी ने किया । अतिथियों का स्वागत प्राचार्य श्री जितेंद्र परसाई, मुकेश दवंडे, फूलचन्द बारस्कर ने किया ।

अर्धसैनिक विचार मंच वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया

बैतुल। अर्धसैनिक विचार मंच वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं दिवाली परिवार मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पैरामिलिट्री में कार्यरत जवान, अधिकारी, पूर्व सैनिक, उनके परिवार और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक और देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे आर्मी स्कूल आठवां मिल बैतूल के बच्चों और एसएस कयो ब्रदर्स म्यूजिक के सदस्यों ने दिया।कार्यक्रम में पैरामिलिट्री में कार्यरत जवानों, पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों को संस्था के द्वारा संस्था का स्मृति चिन्ह, श्रीफल और फूल माला से सम्मानित किया गया। शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित थे- बैतूल प्रभारी संस्था के श्री राजू खातरकर,संस्था के अध्यक्ष पंजाब राव कासदेकर,उपाध्यक्ष जीत इंगले,बबलू धुर्वे,श्री शिवराज वाट्टी,आर्मी स्कूल के डायरेक्टर श्री डॉ. ए.के. यादव,श्रीमती सरोज खातकर,श्रीमती गीता नरवरे,लक्ष्मी भट्टी,ललिता यादव,संस्था के ब्लॉक अध्यक्ष श्री सतीश उईके (घोड़ाडोंगरी),अभिकांत मास्कुले (शाहपुर),उमेश बारस्कर (मुलताई),बलवंत बेल (आमला),उपाध्यक्ष शरद चंदेलकर (आठनेर),मनीष गायकी,अशोक परते,रामनाथ,पूर्व सैनिक बुधराव वाघमारेसंजय धोलेकर,जगदीश बंजारे,लखन वर्मा,सामाजिक और जवानों के परिवार के अन्य लोगकार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव श्री जितेंद्र इंगले ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की।

लायंस क्लब बैरसिया द्वारा मासिक रूप में 45 वां नेत्र जांच परीक्षण शिविर एवं ब्लड शुगर परीक्षण का आयोजन....

नजीराबाद

लायंस क्लब बैरसिया द्वारा सोमवार को मासिक रूप में 45 वां नेत्र जांच , परीक्षण शिविर एवं ब्लड शुगर परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 124 मरीजों की जांच की गई और 62मरीजों का मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।62 मरीजों को ऑपरेशन हेतु सदगुरु संकल्प नेत्र चिकित्सालय आनंदपुर भेजा गया वहीं 15 मरीजों को चश्मे की जाँच कर उन्हें चश्मा दिया एवं

41 को निशुल्क दवाई दी गई साथ ही 135 लोगो की ब्लड शुगर परिक्षण किया गया । इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि नेत्र परीक्षण हर महीने विदिशा रोड बैरसिया में सत्यार मंदिर , शारदा संस्कार एकेडमी प्रांगण पर आयोजित किया जा रहा है।नेत्र परीक्षण में लॉयंस क्लब बैरसिया अध्यक्ष लायन दीपक दुबे ओमप्रकाश गुप्ता राजेश दुदानी नेत्र सहायक रवि लोधा विजन सेन्टर बैरसिया राजू भाग्या नेत्र सहायक उपस्थित रहे।

अवैध क्लिनिक संचालन पे जिला चिकित्सा अधिकारी ने की कार्रवाई जिलाधिकारी ने टीम ने मारा

चौरई- ग्राम बाका नगनपुर तहसील चौरई मे झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा अवैध रूप से क्लीनिक का संचालन कर भोले-भाले ग्रामीणों के बड़े-बड़े रोगों का इलाज कर चिकित्सा का कारोबार तेजी से फल फूल रहा है. इनके पास ना तो चिकित्सा से सम्बंधित कोई डिग्री है ना ही क्लिनिक चलाने का अधिकार, फिर भी अंचल में बड़े पैमाने पर फर्जी क्लीनिक, का कारोबार चरम पर है. शिकायत के आधार पर बीते मंगलवार को जिला चिकित्सा अधिकारी के आदेश पे स्वास्थ्य विभाग टीम ने ग्राम बाका नग्नपुर मे दुकान मे संचालित हो रही अस्पताल नुमा क्लीनिक पर छापामार कार्रवाई किया गया.

जानकारी के अनुसार एस आई मंसूरी नामक व्यक्ति ने ग्राम बाका नगनपुर मे झोलाछाप अवैध रूप से क्लीनिक संचालन करने की

शिकायत जिला चिकित्सा अधिकारी को प्राप्त हुई थी. उक्त शिकायत के आधार पर विभाग के अधिकारी डॉ नरेश गोंन्दे व अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता के द्वारा दोपहर दुकान पर छापेमारी की कार्रवाई किया गया. जहां पहुंचते ही संचालक के द्वारा अवैध रूप से संचालित अस्पताल नुमा क्लीनिक को देखकर दंग रह गए. टीम ने पाया कि झोलाछाप डॉ. मंसूरी के पास कोई चिकित्सा से सम्बंधित डिग्री नहीं थी. जब उनके द्वारा डिग्री मांगी गई तो संचालक करता के द्वारा किसी भी प्रकार की कोई डिग्री या प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया जिसको लेकर स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा पंचनामा बनाकर समस्त दस्तावेज 3 दिन में प्रस्तुत करने का आदेश अलावा क्लीनिक में काफी मात्रा में एलोपैथिक दवाइयां भी रखी हुए थी. साथ ही मरीजों की जांच उपकरण पाये गाये

जन्मदिवस पर कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती जयश्री ने कार्यकर्ताओं सहित मतदाताओं का किया आभार व्यक्त..

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 सम्पन्न होने के बाद अधिकांश प्रत्याशीयों और कार्यकर्ताओं ने अपने अपने घरों की ओर रुख कर लिया। बीते 17 नवंबर को प्रदेश में एक साथ 230 विधानसभा सीटों पर मतदान हो चुका है और चुनावी मैदान में उतरे सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम मशीन में कैद हो चुका।अब आगामी 3 दिसंबर को मतगणना के साथ ही हार जीत का फैसला तय होगा। अब ऐसे में चुनावी सोर गुल थम गया और प्रत्याशी अपने कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते नज़र आ रहे इसी क्रम में बैरसिया विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी जयश्री हरिकरण ने मंगलवार को भोपाल रोड स्थित मधुरम गार्डन बैरसिया में कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। दरअसल 21 नवंबर मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती जयश्री हरिकरण का जन्मदिन भी था और इसी मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जयश्री

हरिकरण का जन्मदिन भी बड़े धूमधाम से मनाया गया आस पास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर केक काटा और पुष्पगुच्छ भेंट कर जयश्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

जयश्री ने 50 हजार मतों से जीत का किया दावा- इस मौके पर मीडिया के सवालों पर जयश्री ने कहा कि हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने दिन रात मेहनत की है। चुनाव में भरपूर मेहनत कर कांग्रेस के लिए अपना महत्वपूर्ण समय दिया इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त करतीं हूं उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर लग रहा कि विधानसभा चुनाव 50 हजार से अधिक मतों से जीतेंगे। इस अवसर पर एकत्रित कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखने को मिली। वही कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सहभोज का आनंद लिया।

संपादकीय

दवा के दर्द

यह किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यथित करने वाली स्थिति है कि जिन जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को सरकार को प्राथमिकता के आधार पर संवदेनशील ढंग से सुलझाना चाहिए, उन पर कोर्ट को पहल करनी पड़ रही है। ऐसे तमाम मुद्दों के साथ अब ऑनलाइन दवा बिक्री का मुद्दा भी जुड़ गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को सख्त लहजे में कहा कि सरकार के लिये यह आखिरी मौका है। वह आठ हफ्ते के बीच ऑनलाइन दवा बिक्री नीति बनाए। लंबे समय से मुद्दा लटकाने से क्षुब्ध कोर्ट ने चेताया कि यदि सरकार ने नीति समय पर नहीं बनायी तो इस विभाग को देख रहे संयुक्त सचिव को आगामी चार मार्च को अदालत में जवाब देने आना पड़ेगा। दिल्ली हाईकोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने नाराजगी जतायी कि इस नीति को बनाने के लिये सरकार के पास पर्याप्त समय था, लेकिन सरकार ने मुद्दे की गंभीरता को नहीं समझा। पांच साल का वक्त किसी नीति के निर्धारण के लिये पर्याप्त होता है। दरअसल, सरकार के रवैये से खिन्न अदालत ने केंद्र को सख्त हिदायत दी कि वह आखिरी मौके के रूप में सिर्फ आठ सप्ताह में नीति को अंतिम रूप दे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने उन याचिकाओं के बाबत जवाब मांगा था, जो ऑनलाइन बेची जा रही दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने के बाबत दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि ऑनलाइन दवाओं की बिक्री कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। साथ ही यह भी कि ये दवाइयां बिना किसी उचित नियमन के ऑनलाइन बेची जा रही हैं। लेकिन लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की अनदेखी की जा रही है। याचिकाकर्ताओं में शामिल साउथ केमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन की मांग थी कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी दवाइयों की बिक्री पर रोक न लगाने पर ई–फार्मेसी कंपनियों के खिलाफ अवमानना के कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। दरअसल, इससे पहले अगस्त में कोर्ट द्वारा पूछे जाने पर केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि इस विषय पर नियमों के मसौदे पर फिलहाल विचार–विमर्श जारी है। उल्लेखनीय है कि तब मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने अंतरिम निर्देश देते हुए कहा था कि बिना वैध लाइसेंस ऑनलाइन दवाएं बेचने पर रोक के बाबत कोर्ट के 12 दिसंबर, 2018 के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर केंद्र व राज्य सरकारें अगली सुनवाई से पहले आवश्यक कानूनी कार्रवाई करें। तब भी कोर्ट ने वास्तविक स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने के लिये केंद्र सरकार से कहा था। दरअसल, याचिका दायर करने वालों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नियमों के मसौदे को चुनौती दी थी कि जिनके जरिये औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन नियमों में संशोधन किये जा रहे हैं। तब ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मरीजों की सेहत के लिये उत्पन्न खतरे की अनदेखी का भी आरोप लगा था। वहीं दूसरी ओर विगत में अदालत की कार्यवाही में सुनवाई के दौरान ऑनलाइन विक्रेताओं ने दलील दी थी कि उन्हें दवाएं बेचने के लिये लाइसेंस की जरूरत नहीं है। वे तो केवल खाने की डिलीवरी करने वाले एप की तरह दवाएं डिलीवरी कर रहे हैं। जिस तरह उन एप्स को चलाने के लिये रेस्तरां के लिये लाइसेंस की जरूरत नहीं होती, वैसे ही ई–फार्मेसी को भी ग्राहकों तक दवाइयां पहुंचाने के लिये लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। निस्संदेह, ऐसे किसी तर्क से सहमत होना कठिन है क्योंकि दवा की बिक्री से किसी के जीवन–मरण का प्रश्न जुड़ा है। जिसकी जवाबदेही तय हो। निश्चित रूप से सरकार की नजर ऐसी वेबसाइटों पर होनी चाहिए जो ऑनलाइन दवा बिक्री के धंधे से जुड़ी हैं। दरअसल, ऑनलाइन दवा बेचने वाली कंपनियां ग्राहकों को भारी छूट भी देती हैं, जिसके चलते दुकानदार उनके खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ऐसी वेबसाइटों को इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के नियमों का पालन करने के लिये बाध्य करें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने दवाइयों की ऑनलाइन बिक्री पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया था।

समाज में बढ़ती दरिंदगी चिंताजनक

सुधाकर आशावादी

कटु एवं व्यवहारिक सत्य यही है कि आपराधिक प्रवृत्ति के दरिन्दों को यदि समय से कठोर दण्ड न दिया जाए, तो दरिंदों की क्रूरता बढ़ जाती है।

उचित संस्कारों के अभाव में ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो केवल भौतिकता में विश्वास रखती है। मानवीय मूल्य जिसके लिए कोई महत्व नहीं रखते। यही कारण है कि देश मे दरिंदगीपूर्ण वारदातें अपनी सीमाएं पार कर रही है और समाज मूकदर्शक बनकर चुप्पी साधने का अभ्यस्त हो रहा है। यदि ऐसा न होता, तो नित्य ही ऐसे समाचार प्रकाश में नहीं आते, कि किसी युवती को बरेली में रेल पटरी पर फेंक दिया गया, जहाँ उसके अंग भंग हो गए। किन्ही बालिकाओं को झूला झुलाने के बहाने जंगल मे ले जाया गया, फिर उनके साथ दरिंदगी की गई। नित्य ही ऐसी घटनाओं में वृद्धि होना केवल पुलिस और कानून व्यवस्था की खामियाँ ही नहीं गिनाता, अपितु समाज में आ रहे नकारात्मक बदलाव को भी व्यक्त करता है। कटु एवं व्यवहारिक सत्य यही है कि आपराधिक प्रवृत्ति के दरिन्दों को यदि समय से कठोर दण्ड न दिया जाए, तो दरिंदों की क्रूरता बढ़ जाती है। दिल्ली के महिपालपुर में एक रात को कैब बुक कराई गई तथा कैब चालक बिजेंद्र शाह को बंधक

बनाकर कार लूट ली गई तथा कैब चालक को एन. एच– 8 पर कार से बाहर फेंक दिया गया। कैब चालक का हाथ गाड़ी में फंसा रह गया, दरिंदों ने उसे करीब आधा किलोमीटर तक सड़क पर घसीटा, जिस कारण उसकी मौत हो गई। कैब चालक के साथ दरिंदगी की वारदात ने कैब चालकों की सवारियों के प्रति विश्वसनीयता को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है। भले ही कार लुटेरे दरिंदों को गिरफ्तार करके उनकी हिस्ट्रीशीट खंगाल दी गई हो, मगर इस बेखौफ दरिंदगी ने अपराधियों के बुलंद हौसलों की तस्वीर प्रस्तुत कर दी है, जो काफी भयावह है। ऐसे में आम आदमी की यात्रा को सुगम बनाने वाली कैब व्यवस्था के सम्मुख यह प्रश्न खड़ा हो सकता हैं कि वह यात्रियों पर विश्वास कैसे करे ? यहां विचारणीय प्रश्न यह भी है कि बात बात में कानून व्यवस्था पर अंगुली उठाने वाले समाज के इन आपराधिक चरित्रों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु आवाज बुलंद क्यों नही करते। दरिंदे कभी दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़क पर किसी साक्षी का बेरहमी से कत्ल कर देते हैं, कभी किसी की बोटी बोटी काटकर फ्रिज में रख देते हैं। कभी कोई भाभी अपने प्रेमी के साथ मिलकर अनैतिक सम्बन्धों में विघ्न डाल रही अपनी ननद की हत्या करा देती है। जघन्य दरिंदगी की नित नई कथाएँ प्रकाश में आती रहती हैं। कुछ दिनों तक यह दरिंदगी चर्चा में रहती हैं, किंतु दरिंदों को समयानुसार दंडित न किए जाने के कारण ही समाज में दरिंदगी की घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहती है। समय की मांग है कि समाजशास्त्री, मनोवैज्ञानिक एवं दिशानायक इस प्रकार की क्रूरतापूर्ण दरिंदगी को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करें तथा त्वरित न्याय करके समाज को दरिंदों से मुक्त करने हेतु व्यापक स्तर पर कार्रवाई करें । भयमुक्त समाज का नारा देने मात्र से इस समस्या का स्थाई निदान सम्भव नहीं है।

क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने का

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जाएगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाए उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाए। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन–तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल दर साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग–अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की मानें तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बन गया। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया था। इसे अमेरिका में 26ध्11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया था। अब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर से वर्तमान में लौटेंगे। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नए विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा। आईजीआई की तुलना में यात्रियों को प्रति टिकट 1,500 रुपये की बचत होगी। एविएशन मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि जब जेवर एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन शुरू हो जाएगा तो यहां से सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होने लगेगी। यहां से देश के विभिन्न शहरों के लिए विमान सेवा शुरू होंगी। उदाहरण के रूप में दिल्ली–मुंबई के बीच में प्रतिदिन लगभग 100 उड़ानें हैं। उनमें से करीब आधे को जेवर से संचालित किया जा सकता है। इसी तरह से बैंगलुरू, चेन्नई, काशी, पटना, रांची, लेह, गोवा और देश के दूसरे भागों में यहां से विमान उड़ सकते हैं। इसके अलावा लंदन, दुबई, ज्यूरिख या अमेरिका के शहरों को जाने वाली कुछ उड़ानें भी यहां से शुरू की जा सकती हैं। जेवर यात्रियों की सहूलियत बढ़ाने के लिए इसे जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 74 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनना भी तय है। जिस पर 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से मेट्रो दौड़ेगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जेवर एयरपोर्ट को एयर कार्गो का हब भी बनाना चाहती है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटीनेंस रिपेयरिंग एंड ओवर हॉलिंग) की सुविधा भी दिलचस्पी दिखाई है। इसमें एयर इंडिया, एयर एशिया, विस्तारा, इंडिगो आदि शामिल हैं। इससे एयरपोर्ट में यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी के मॉडल के रूप में विकसित कर रही है। यहां आने–जाने के लिए टैक्सी, मेट्रो और रेल तक की कनेक्टिविटी सुगम होगी। एयरपोर्ट से निकलते ही यात्री

एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले हजारों विदेशी नागरिकों को भी लाभ होगा जो ऑफिस के काम से लगातार हवाई सफर करते रहते हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बड़ी तादाद में दक्षिण कोरिया और जापान के नागरिक रहते हैं। इनमें पेशेवर, इंजीनियर, उद्यमी आदि शामिल हैं। आईजीआई की भीड़ कम करने, दी जाएगी। यानी यहीं देश–विदेश के विमानों की सर्विसिंग भी इसी एयरपोर्ट पर होगी। वर्तमान में भारत के 85 प्रतिशत विमानों को एमआरओ के लिए विदेश भेजना पड़ता है। जिसपर प्रतिवर्ष 15 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं। कई बड़ी एयरलाइंस कंपनियों ने जेवर एयरपोर्ट को एशिया पैसिफिक ट्रांजिट हब बनाने में सीधे यमुना एक्सप्रेसवे पर जा सकते हैं, नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे तक जा सकते हैं। यूपी, दिल्ली, हरियाणा कहीं भी जाना है तो थोड़ी सी देर में पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पहुंच सकते हैं। इससे यह तो साफ है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से आईजीआई की भीड़ काफी हद तक छंट जाएगी।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया और खेल भावना की हार

रविवार 19 नवंबर 2023 का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक हो सकता था। 1983 और 2011 की तरह टीम इंडिया क्रिकेट विश्वकप तीसरी बार जीत सकती थी। लेकिन खेल है तो हार–जीत लगी रहती है। और इस बार टीम इंडिया सभी मैचों में अपराजेय रहने के बावजूद फाइनल का मुकाबला हार गई। इसका मतलब यही है कि भारतीय टीम मजबूत है, उसके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास अकूत धन–संपत्ति है, जिससे वो सभी तरह की सुविधाएं और साधन खिलाड़ियों को मुहैया करा सकती है। यह सब होने के बावजूद भारतीय टीम ठीक–ठाक स्कोर बनाकर भी हार गई, तो इस हार को गरिमा के साथ स्वीकार करने में ही क्रिकेट की शोभा है, जिसे भद्रजनों का खेल भी कहा जाता है। लेकिन अफसोस कि इस बार क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करते हुए भारत में न केवल भारतीय टीम हारी, बल्कि खेल भावना भी नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बुरी तरह मात खाती नजर आई। दरअसल खेल भावना की हार की पटकथा तो उसी दिन से लिखनी शुरु हो गई थी, जब सरदार पटेल के नाम पर बने स्टेडियम को मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर किया गया। इतने बड़े देश में कई और नए स्टेडियम बनाए जा सकते हैं और इनमें से किसी का भी नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर हो सकता था, लेकिन तुच्छ राजनैतिक सोच के कारण नाम बदलने का जो सिलसिला शुरु हुआ है, उसका एक और उदाहरण नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में देखने मिला। 1 लाख 32 हजार लोगों को बिठाने की क्षमता वाले स्टेडियम का जब फिर से उद्घाटन हुआ था, तो यहां कोई खेल प्रतियोगिता आयोजित न होकर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम किया गया। खेल और राजनीति के घालमेल का यह मोदीयुगीन उदाहरण था। इसके बाद ऐसी कई और मिसालें देखने मिली हैं। महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन शोषण की न केवल शिकायत की, बल्कि इसके लिए अदालत तक से गुहार लगा दी, जंतर–मंतर पर लंबा धरना–प्रदर्शन किया। लेकिन जिस ब्रजभूषण शरण सिंह पर मुख्यतरू आरोप हैं, वो आज भी संसद में मौजूद है और पीड़ित खिलाड़ी इंसाफ की बाट जोह रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में संसद में ही मौजूद नामचीन खिलाड़ी पी टी उषा ने कोई आवाज नहीं उठाई, उल्टा उन्हें नसीहत दे दी। लेकिन भारत को पहला विश्वकप दिलाने वाले कपिल देव ने महिला खिलाड़ियों के हक में आवाज उठाई थी, तो वे इस बार नरेन्द्र मोदी स्टेडियम नहीं पहुंच पाए। कपिल देव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वे तो चाहते थे कि उनके साथ पहली बार विश्वकप उठाने वाली पूरी टीम फाइनल मुकाबला देखने पहुंचती, लेकिन बीसीसीआई शायद इतने जरूरी कामों में व्यस्त है कि उन्हें फाइनल मुकाबला देखने के लिए आमंत्रित ही नहीं किया गया। वैसे ये देखना रोचक है कि कपिल देव के किरदार को सिनेमा में उतारने वाले रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे।

फिल्मी, उद्योग और आध्यात्मिक व्यापार से जुड़े कई नामी लोग स्टेडियम में टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और जग्गी वासुदेव अगल–बगल ही बैठे थे और उन दोनों को आपस में बात करते हुए देखा गया। हालांकि सचिन के आखिर विश्वकप में उन्हें जीत का तोहफा देने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी इस फाइनल मुकाबले में नहीं रहे। शायद बीसीसीआई के लिए क्रिकेट के अहम हस्ताक्षरों से कहीं जरूरी उन लोगों की मौजूदगी थी, जिनके कारण यह खेल सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की तरह बना हुआ है। खेल भावना में हार का यह एक और उदाहरण है। विश्वकप मुकाबले में भारत की जीत की उम्मीदें लगाए दर्शकों को काफी मायूसी हुई और यह जायज भी है। लेकिन इसके लिए बहुत से लोगों ने, जिनमें कई राजनेता भी शामिल हैं, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराना शुरु कर दिया। अगर इस हार का ठीकरा मोदी सरकार की खेल नीति की वजह से फोड़ा जाता, तब भी बात समझ में आती। मगर कई लोगों ने नरेन्द्र मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया, सोशल मीडिया पर भी यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह सरासर खेल भावना के विरुद्ध बात है। खेल से तो शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती अच्छी होती है, इसमें अंधविश्वास जैसी बीमारी की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी शिकायत का कारण हो सकती है, क्योंकि जब देश में मणिपुर की गंभीर समस्या है, जब उत्तरकाशी की सुरंग में आठ दिनों से मजदूर फंसे हुए हैं, ऐसे संकटों के बीच प्रधानमंत्री मोदी खेल का आनंद लेने के लिए पहुंचे, यह सही बात नहीं है। श्री मोदी से इस बात की भी शिकायत की जा सकती है कि उनके शासन में देश ये कैसे मुकाम पर आ पहुंचा है, जहां धर्म और राष्ट्रवाद के उन्माद में हम मेहमाननवाजी और सामान्य शिष्टाचार भी भूलते जा रहे हैं। इसी स्टेडियम में पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुए मुकाबले में दर्शकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर भारत की अतिथि परंपरा को ठेस पहुंचाई थी। उसके बाद रविवार को आस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया गया। उनकी जीत और अच्छे प्रदर्शन पर वाहवाही की जगह सन्नाटा पसरा रहा। लाख की क्षमता वाले स्टेडियम में जब विजेता टीम विश्वकप उठा रही थी तो उसकी हौसलाअफजाई के लिए उंगलियों पर गिने जाने लायक दर्शक मौजूद थे, खुद प्रधानमंत्री आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को मंच पर ट्राफी के साथ अकेले छोड़कर चले गए।

IND vs AFG टी20 सीरीज 11 जनवरी से, शैड्यूल आया बाहर

काबुल। अफगानिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम जनवरी में 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसकी घोषणा की। यह सीरीज 11 जनवरी से शुरू होकर 17 जनवरी तक चलेगी। एसीबी के एक बयान में कहा गया कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पुष्टि करता है कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम जनवरी 2024 की शुरुआत में तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी। 3 टी20 इंटरनेशनल मैच 11, 14 और 17 जनवरी को निर्धारित हैं। तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को मोहाली में, उसके बाद दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 14 और 17 जनवरी को इंदौर और बेंगलुरु में होगा।

जबकि अफगानिस्तान और भारत ने विभिन्न एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और आईसीसी आयोजनों में भाग लिया है, यह श्रृंखला पहली बार चिह्नित करती है कि ये देश बहु-मैचों वाली सफेद गेंद श्रृंखला में शामिल होंगे। दोनों टीमें अब तक पांच टी-20 मैचों में आमने-सामने हुई हैं, जिनमें से सभी में भारत ने जीत हासिल की है। बता दें कि अफगानिस्तान ने हाल ही में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए भारत का दौरा किया, जहां उन्होंने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करने के बाद अंक तालिका में 6 वां स्थान हासिल किया।

पंकज आडवाणी ने 26वीं बार विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीता

दोहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने यहां फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को हराकर 26वीं बार आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। शुरुआती घंटे में 26-180 से पिछड़ने के बाद आडवाणी ने कुआलालंपुर में पिछले साल के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति में 2018 के विश्व चैंपियन कोठारी को 1000-416 से हराया। कोठारी शुरुआती बढ़त बनाने के बाद मजबूत स्थिति में थे लेकिन कुछ मौकों पर उन्होंने आसान गल्तियां करके आडवाणी को वापसी करने का मौका दिया। आडवाणी ने इसके बाद 150 से अधिक अंक के कुछ ब्रेक के साथ अपनी स्थिति मजबूत की जबकि कोठारी मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

आडवाणी ने एक बार मैच का सर्वोच्च 214 अंक का ब्रेक भी बनाया जिसके बाद उन्हें जीत दर्ज करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। वापसी करने के बाद आडवाणी ने मैच में अधिकांश समय 250 अंक के आसपास की बढ़त बनाए रखी। कोठारी ने इस बीच 99 के ब्रेक से आडवाणी की बढ़त को 150 रन तक सीमित किया बेंगलुरू के आडवाणी ने हालांकि इसके बाद 199 के अटूट ब्रेक के साथ 1000 अंक के आंकड़े को छूकर जीत दर्ज की।आडवाणी ने जीत के बाद कहा कि मैं पहले भी जीत चुका हूं इसलिए मुझे इस अहसास के बारे में पता है लेकिन वर्ष दर वर्ष कई बार इसे जीतना कौशल, शरीर और दिमाग पर की गई घंटों की कड़ी मेहनत को सही साबित करता है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए निरंतरता सफलता की कुंजी है और देश के लिए विश्व खिताब जीतने को लेकर मैं सबसे अधिक प्रेरित होता हूं।

फबियानों करूआना बने सैंट लुईस रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज विजेता

सैंट लुईस, यूएसए। दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी यूएसए के फबियानों करुआना नें ग्रांड चैस टूर के अंतिम रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट मे शानदार खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है । दुनिया के 10 शीश खिलाड़ियों के बाद एक रैपिड और 2 ब्लिट्ज़ के टूर्नामेंट खेले गए । रैपिड के मुकाबलो के बाद फबियानों 5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर थे जबकि यूएसए के ही रोबसोन रे और फ्रांस के मकसीम लागरेव क्रमशः 5.5 और 5 अंक बनाकर पहले दो स्थानो पर चल रहे थे । इसके बाद हुए ब्लिट्ज़ के पहले टूर्नामेंट मे भी करूआना का प्रदर्शन कुछ बहुत खास नहीं रहा और वह 5 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रहे जबकि 7 अंको के साथ मकसीम पहले स्थान पर रहे जबकि रेबसोन रे 2.5 अंक बनाकर नोवे स्थान पर रहे और खिताबी दौड़ से दूर हो गए ।

इसके बाद हुए तीसरे ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट के पहले तक मकसीम 12 अंको के साथ पहले और करूआना 10 अंको के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे थे पर इस बार वह 3.5 अंक बनाकर आठवे स्थान पर रहे।जबकि करूआना नें अच्छा खेल जारी रखते हुए 6 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया और इस प्रकार करूआना कुल 16 अंको के साथ खिताब जीत गए जबकि 15.5 अंको के साथ मकसीम दूसरे स्थान पर रहे ।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर 2026 : दक्षिण कोरिया ने चीन को 3-0 से हराया

शेनझेन। सोन ह्युंग-मिन के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण कोरिया ने यहां चल रहे 2026 फीफा विश्व कप एशियाई क्षेत्र क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे चरण के ग्रुप सी में चीन को 3-0 से हरा दिया। मिन ने मैच में दो गोल किये और एक गोल में सहायता की।

पिछले ग्रुप सी के शुरुआती मैचों में, चीन ने बैंकॉक में थाईलैंड को 2-1 से हराया और दक्षिण कोरिया ने घरेलू मैदान पर सिंगापुर को 5-0 से हराया। एशियाई फुटबॉल पावरहाउस दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में 65 प्रतिशत बॉल पजेशन और कुल 18 शॉट्स के साथ दबदबा बनाए रखा।

मैच के 11वें मिनट में ही दक्षिण कोरिया को पेनल्टीकॉर्नर मिला, जिसे सोन ने धैर्यपूर्वक गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। मैच के 42वें मिनट में टैन लॉन्ग चीन के लिए बराबरी का गोल करने के करीब थे, लेकिन उनका करीबी शॉट पोस्ट के पास से निकल गया। तीन मिनट बाद ही सोन ने

मैच का अपना दूसरा गोल करते हुए दक्षिण कोरिया को 2-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर तक कोरिया की टीम 2-0 से आगे रही।

मध्यांतर के बाद भी दक्षिण कोरिया ने मैच में अपना दबदबा कायम रखा। मैच के 86वें मिनट में सोन के सटीक फ्री किक को जंग सेउंग-ह्यून ने हेडर के जरिये गोल में बदलकर कोरिया को 3-0 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

वहीं, ग्रुप सी के दूसरे मैच में थाईलैंड ने सिंगापुर पर 3-1 से जीत हासिल की।

एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे चरण में, 36 टीमों को होम-एंड-अवे राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह के शीर्ष दो तीसरे चरण में आगे बढ़ेंगे।

अर्जेंटीना फीफा अंडर-17 विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में

जकार्ता। अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 5-0 से हराकर इंडोनेशिया में चल रहे अंडर-17 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां शुक्रवार को उसका सामना ब्राजील से होगा।

पश्चिम जावा प्रांत के जलाक हारुपत स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अर्जेंटीना की ओर से अगस्टिन फैबियन रूबर्टो ने दो, सैंटियागो लोपेज़ और क्लाउडियो एचेवेरी ने 1-1 गोल किया, जबकि अर्जेंटीना को एक गोल का फायदा वेनेजुएला के लुइस फॉसिस्को बाल्बो विएरा के आत्मघाती गोल से मिला।डिएगो प्लेसेंटे की टीम पूरे खेल में हावी रही। वेनेजुएला को मैच के 15वें मिनट में उस समय करारा झटका लगा, जब लुइस फॉसिस्को बाल्बो विएरा के आत्मघाती गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त मिल गई। इसके बाद 22वें मिनट में सैंटियागो लोपेज़ ने गोल कर अर्जेंटीना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके बाद कप्तान और नंबर 10 क्लाउडियो एचेवेरी ने मैच के 32वें मिनट में बाईं ओर से एक और शानदार

गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। मध्यांतर तक अर्जेंटीना की टीम 3-0 से आगे रही। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा और खतरनाक मौके बनाए। मैच के 70वें मिनट में फ्रेंको मस्तंतुओनो की गलती के कारण, जो कुछ ही मिनट पहले बेंच से आए थे, अर्जेंटीना को पेनल्टी किक दी गई, और अगस्टिन फैबियन रूबर्टो ने इसे गोल में बदलकर अपनी टीम को 4-0 से आगे कर दिया। इस गोल के 8 मिनट बाद ही रूबर्टो ने एक और गोल कर अर्जेंटीना को 5-0 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ और अर्जेंटीना की टीम क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। इसी दिन 16वें राउंड के खेले गए एक अन्य मैच में मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में ईरान को 4-1 से हराया। पूर्वी जावा के गेलोरा बुंग टोमो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में तय समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं थीं, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट : अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने सदर्न सुपरस्टार्स को 13 रन से हराया

रांची। अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने जीएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के तीसरे मैच में टीम सदर्न सुपरस्टार्स को एक रोमांचक मुकाबले में 13 रन से शिकस्त दी। इस मैच में हैदराबा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 156 रन बनाए, जवाब में सदर्न की टीम 143 रनों पर ढ़ेर हो गई। इस मुकाबले में सदर्न सुपरस्टार के कप्तान रॉस टेलर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पारी के छठे और पवन नेगी के शुरुआती ओवर में सलामी बल्लेबाजों - डॉयन स्मिथ और मर्टिन गप्टिल ने 20 रन जड़कर रन गति तेज करने का प्रयास किया। रज्जाक ने अपने स्पैल के आखिरी चौथे ओवर में करिश्माई गेंदबाजी का परिचय देते हुये लगातार गेंदो पर डॉयन स्मिथ (15) और गुरकीरत सिंह मान (0) को चलता किया जिससे स्कोर 2 विकेट पर 50 रन हो गया। 73 के कुल टीम स्कोर और पारी के दसवें ओवर में हमीद हसन ने खतरनाक दिख रहे मार्टिन गप्टिल 46 को बोल्ड कर अपने खेमें को बड़ी राहत प्रदान की। इसके बाद अगले की ओवर में श्रीलंकाई गेंदबाज दिलशान मुनावीरा ने पीटर टेरेगो (17) को एलबीडब्ल्यू कर अर्बनराईजर्स के लिये मुश्किलें खड़ी कर दी। जल्द ही हसन ने अपने तीसरे ओवर में सुरेश रैना (10) का विकेट लेकर विपक्ष की आधी टीम मात्र 90 रनों पर पवेलियन लौटा दी। यहां से योगेश नागर और स्टुअर्ट बिन्नी ने 63 रनों की साझेदारी की

और टीम को संकट से उबरने का प्रयास किया। पारी के 18वें ओवर में अपना आखिरी ओवर डाल रहे हमीद ने न केवल बिन्नी (23) को आउट कर साझेदारी का अंत किया बल्कि अगले ही गेंद में नये बल्लेबाज अमित पोनीकर (0) को भी बिना खाता खोले वापस भेज दिया। इसके बाद सुरंगा लकमल ने भी अपने स्पैल का अंत लगातार दो बल्लेबाजों - टिनो बेस्ट (1) और क्रिस पोफू (0) को आउट कर किया। पवन नेगी ने योगेश नागर (40) की पारी का अंत कर अर्बनराईजर्स हैदराबाद को 156 रनों पर ढेर किया। सदर्न के लिए हसन ने 4, अब्दुर रज्जाक और सुरंगा लकमल ने दो दो विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करते हुये सदर्न सुपरस्टार की शुरुआत निराशाजनक रही जब पहले पावरप्ले के खत्म होने तक टीम का टॉप ऑर्डर - उपल थरंगा (5), जेसी राईडर (5) और श्रीवत्स गोस्वामी (18) 53 रनों के स्कोर पर पवेलियन लौट गए ।

इसके बाद प्रज्ञान ओझा ने कप्तान रॉस टेलर (12) को आउट कर सदर्न का स्कोर 4 विकेट पर 77 रन कर दिया। इसके बाद टॉप स्कोरर दिलशान मुनावीरा (34) को पोफू ने बोल्ड कर दिया और सदर्न की आधी टीम केवल 86 रनों पर पवेलियन लौट गई। इसके बाद पौनीकर ने एंड्रे मेकार्थी (7) को रन आउट कर टीम के लिये मुसीबतें बढ़ाई। 20 रन की साझेदारी कर मनविंदर बिसला और राजेश बिश्नौई अभी टीम के लिये आस जगा ही रहे थे कि राजेश बिश्नोई (11), पवन सुयाल द्वारा एलबीडब्ल्यू आउट हुये । अगले ही ओवर में मनविंदर बिस्ला (18), पीटर ट्रेगो को शिकार बने और स्कोर 123/8 हुआ। पवन नेगी (10) और हमीद हसन (0) के साथ सदर्न सुपरस्टार्स 19.2 ओवर्स में 143 रनों पर ऑल आउट हो गई। पवन सुयाल ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए जबकि क्रिस पोफू और पीटर ट्रेगो ने दो-दो विकेट लिया।

रायपुर में 1 दिसंबर को होगा भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मैच

रायपुर। वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मैच के बाद भारत एक बार फिर रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के सामने होगा हैं। इस मैच के लिए जिला प्रशासन ने भी अनुमति दे दी है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 23 नवंबर से टी-20 के पांच मैचों की श्रंखला शुरू हो रही है। इस श्रंखला का चौथा मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 1 दिसंबर को होगा। खबर है कि रायपुर में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे स्टार क्रिकेटर नहीं आएंगे। स्टेडियम में रखरखाव का काम जारी है। पूर्व क्रिकेटर कपिल देव

की कंपनी देव मस्को के एक्सपर्ट रायपुर पहुंचे हैं। यह टीम लाइट्स को दुरुस्त करने का काम कर रही है। इस मैच के लिए बुधवार को प्रशासन की टीम स्टेडियम का निरीक्षण करेगी। इस मैच के लिए छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। श्रंखला का पहला मुकाबला 23 नवंबर को राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापटनम में होगा। दूसरा मुकाबला 26 नवंबर, रविवार, ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में खेला जायेगा। तीसरा मुकाबला 28 नवंबर, मंगलवार, बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम, गुवाहाटी, चौथा मुकाबला 01 दिसंबर, रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम और पांचवा मुकाबला 3 दिसंबर को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद में खेला जाएगा।

होंडा रेसिंग इंडिया के राइडर रक्षित दवे एशिया टैलेंट कप 2024 में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

गुरुग्राम। चेन्नई के 15 वर्षीय राइडर रक्षित श्रीहरि दवे प्रतिष्ठित एशिया टैलेंट कप 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चयन कार्यक्रम मलेशिया के प्रतिष्ठित सेपांग सर्किट में शुरू हुआ, जहां 89 सवारों का एक समूह इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में अपना स्थान अर्जित करने के लिए निकला। उनमें से, केवल 41 सवारों ने उल्लेखनीय कौशल, दृढ़ संकल्प और वादे का प्रदर्शन किया जो उन्हें प्रतियोगिता के अंतिम चरण तक ले गया। मोटरसाइकिल रेसिंग की दुनिया के प्रति अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा और प्रतिबद्धता के प्रमाण में, रक्षित डेव ने विभिन्न एशिया-ओशियाना देशों के 10 अन्य सवारों के साथ एशिया टैलेंट कप 2024 में अपना स्थान अर्जित किया। आईएटीसी के 2024 सीज़न में दस देशोंः ऑस्ट्रेलिया, चीन, चीनी ताइपे, भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वियतनाम से 20 पूर्णकालिक राइडर्स हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। रक्षित को बहुत कम उम्र में 2018 में इडेमित्सु होंडा इंडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम में पहली बार पहचाना गया और होंडा रेसिंग अकादमी के तहत प्रशिक्षित किया गया।

एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामित होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं : हार्दिक सिंह

बेंगलुरु। चोट के कारण एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला से बीच में ही बाहर होने से लेकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने तक, 2023 भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह के लिए एक उतार-चढ़ाव वाला वर्ष बन गया है। उन्हें एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2023 के लिए नामित किया गया है, जिससे यह साल उनके लिए और भी खास हो गया है।

उन्होंने कहा, एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड 2023 के लिए नामित होने पर मैं आश्चर्यचकित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसी मान्यता प्राप्त करना एक खिलाड़ी के रूप में आपके सपनों में से एक है। यह निश्चित रूप से आपको और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। हालाँकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ वर्ष नहीं था और वह और बेहतर कर सकते थे।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि यह मेरा सबसे अच्छा साल था। मैं और भी बेहतर कर सकता था, खासकर विश्व कप के दौरान, जहां इतने महत्वपूर्ण चरण में चोट लगना दिल तोड़ने वाला था। लेकिन, कुल मिलाकर, मैं खुश हूं एफआईएच प्रो लीग अभियान, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ यह साल मेरे बेहतर गुजरा। मिडफ़ील्ड में अपने तेजतर्रार प्रदर्शन और हाल के वर्षों में भारतीय टीम के महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक बनने के साथ, 25 वर्षीय खिलाड़ी प्रमुखता से उभरे हैं। उन्होंने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 और एशियाई खेल 2023 के दौरान हरमनप्रीत सिंह के डिप्टी के रूप में भी काम किया, जहां भारत ने स्वर्ण पदक जीते।लीडरशिप ग्रुप में अपने बदलाव के बारे में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर 2022 पुरस्कार जीतने वाले हार्दिक ने कहा, मुझे लगता है कि मैं इस अवसर के लिए हमेशा तैयार था।

उन्होंने कहा, मैंने अपने सीनियर्स - सरदार सिंह, पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह और हरमनप्रीत सिंह से आगे बढ़कर नेतृत्व कैसे करना है, सीखा है। मुझे जिम्मेदारी लेना पसंद है, इससे मुझे खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने में मदद मिलती है और मेरे साथियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलती है।

एलएसजी छोड़कर बतौर मेंटर केकेआर में शामिल हुए गौतम गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व सलामी भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का साथ छोड़ दिया है और अब वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ बतौर मेंटर जुड़ गए हैं। केकेआर ने बुधवार को फ्रेंचाइजी के मेंटर के रूप में गंभीर की वापसी की घोषणा की। गंभीर मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ हाथ मिलाएंगे। इससे पहले, गंभीर 2011 से 2017 तक कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी से जुड़े रहे थे, जिसे केकेआर का स्वर्णिम काल माना जाता है। इस अवधि के दौरान, टीम ने दो बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीता, पांच बार प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई किया और 2014 में चैंपियंस लीग टी20 के फाइनल में पहुंची। अपनी वापसी पर गंभीर ने कहा कि इस कदम ने उन्हें भावुक कर दिया क्योंकि वह अपनी पूर्व टीम में वापसी करेंगे।

गंभीर ने यह भी कहा कि वह न केवल फ्रेंचाइजी बल्कि 'सिटी ऑफ जॉय में वापस आ रहे हैं।

केकेआर द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में गंभीर ने कहा, मैं भावुक व्यक्ति नहीं हूं और बहुत सी चीजें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। लेकिन ये अलग है, यह वहीं पर वापस आ गया है जहां से यह सब शुरू हुआ था। आज, जब मैं एक बार फिर उस बैंगनी और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने के बारे में सोच रहा हूं तो मेरे गले में रुंधन और दिल में आग है। मैं न केवल केकेआर में वापस आ रहा हूं बल्कि मैं जॉय के शहर में वापस आ रहा हूं। मैं वापस आ गया हूँ। मैं भूखा हूँ। मैं 23वें नंबर पर हूं। अभी केकेआर। दूसरी ओर, टीम के मालिक शाहरुख खान ने कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज की बहुत कमी महसूस हुई और अब वे सभी उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

शाहरूख ने कहा, गौतम हमेशा परिवार का हिस्सा रहे हैं और अब हमारे कैप्टन एक मेंटर के रूप में एक अलग अवतार में घर वापस आ रहे हैं। उनकी बहुत कमी खलती थी और अब हम सभी चंदू सर और गौतम से कभी न हार मानने की प्रेरणा देने की उम्मीद करते हैं। टीम केकेआर के साथ जादू पैदा करने के लिए वे भावना और खेल कौशल का प्रतीक हैं। आईपीएल के पिछले सीज़न में, गंभीर ने लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी के मेंटर के रूप में काम किया था। आईपीएल 2023 में, एलएसजी ने 14 में से आठ मैच जीतकर 17 अंकों के साथ स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर सीज़न समाप्त किया था।

भारत स्पोर्ट्स ब्रांड्स और ऑर्गेनाइजेशन के लिए उभरता हुआ बाजार, कोहली और रोहित हैं बेताज बादशाह

दिल्ली। भारत में हुए वर्ल्ड कप ने ये बता दिया है देश बड़े इवेंट का मार्केट है। इससे पहले तक भारत में हुए वर्ल्ड कप साझेदारी में हुए थे। इस बार भारत ने मेजबानी अकेले की। भारत ने अन्य खेलों में कई उपलब्धियां हासिल की। आनंद राठी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, देश की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री 2027 तक 100 बिलियन डॉलर (करीब 8.34 लाख करोड़ रु.) के पार पहुंच सकती है। आईपीएल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्पोर्टिंग लीग है। भारत के बड़ा स्पोर्टिंग हब बनने में 3 कारक अहम होंगे।

1. लोकल अप्रोचः कम्युनिकेशन एजेंसी बीसीडब्ल्यू में चीफ क्लायंट ऑफिसर डॉली तयाल कहती हैं, 'यहां कई राज्य व यूनियन टेरिटरी हैं। सभी इलाकों में रहने का तरीका अलग है। ब्रांड को सफल होने के लिए विविधताओं का ध्यान रखना होगा।' एनबीए इंडिया 2019 में मुंबई में लॉन्च हुआ, जहां 90फीसदी टिकट सिर्फ दो घंटे में बिक गई।

2. सुपरस्टार के साथ डीलः क्रिकेट सभी हिस्सों अन्य खेल को बढ़ावा देने के लिए क्रिकेटिंग सुपरस्टार्स का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है। सचिन, विराट जैसे सुपरस्टार ने मैदान पर तो प्रदर्शन किया ही है, मैदान के बाहर भी छाप छोड़ी है। इन स्टार्स के साथ पार्टनरशिप कर कंपनियां सफल होने का शॉर्टकट तैयार कर सकती हैं।

3. डिजिटल एंगेजमेंटः बढ़ती आबादी और इंटरनेट कनेक्शन ने देश को सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार बना दिया है। तयाल मानती हैं कि भारतीय उपभोक्ता के पास सबसे सस्ता इंटरनेट है। इस वजह से यूजर्स लंबा समय इंटरनेट पर बिता रहे हैं। ऐसे में डिजिटल एड और मार्केटिंग में भारत अन्य देश से आगे निकल सकता है।भले ही भारत ने वर्ल्ड कप का ताज न पहना हो, लेकिन भारतीय खिलाड़ी बाजार की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। टीम के कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह को मैनेज करने वाली कंपनी राइस वर्ल्ड ने बताया कि वर्ल्ड कप में अच्छे प्रदर्शन की वजह से खिलाड़ी अपनी एंडोर्समेंट वेल्यू 30-40फीसदी बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार विराट कोहली और रोहित शर्मा 3.5 करोड़ से 7 करोड़ के बीच पैसे लेते हैं।

समुद्री मार्ग से फल-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने पर सरकार का जोर, केंद्र बना रहा खास योजना

नई दिल्ली। भारत समुद्री मार्ग से केले, आम, अनार और कटहल जैसे विभिन्न फलों व सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है। फिलहाल, इनमें से अधिकांश का निर्यात कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को कहा, प्रोटोकॉल में यात्रा समय व वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना, एक विशेष समय पर कटाई करना और किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है। ये प्रोटोकॉल अलग-अलग फलों व सब्जियों के लिए अलग-अलग होंगे। अग्रवाल ने कहा, समुद्री मार्ग से निर्यात के दो फायदे (मात्रा-लागत) हैं। इससे फलों-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि हवाई माल परिवहन से निर्यात का इन वस्तुओं की कीमत प्रतिस्पर्धा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अब तक हम इन खराब होने वाले उत्पादों के निर्यात के लिए हवाई मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सोना 380 रुपये चढ़ा, चांदी 100 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 62,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,770 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 100 रुपये की तेजी के साथ 76,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वैश्विक बाजार में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 1,992 डॉलर प्रति औंस और 23.66 डॉलर प्रति औंस पर चल रहे थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंसों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने की उम्मीदों के बीच डॉलर और ट्रेजरी प्रतिफल में गिरावट से सोने की कीमतों में तेजी आई।

गांधी ने कहा कि कारोबारियों का ध्यान फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर है, इससे मौद्रिक नीति दर परिदृश्य के बारे में निवेशकों को संकेत मिलेगा।

'जी-20 वर्चुअल समिट दिल्ली घोषणापत्र के कार्यान्वयन पर चर्चा का मौका देगा', अमिताभ कांत ने ये कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-20 नेताओं के डिजिटल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने से एक दिन पहले भारत ने कहा कि यह बैठक दिल्ली घोषणापत्र 0के क्रियान्वयन पर चर्चा करने, महत्वपूर्ण चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाने और वैश्विक शासन में कमियों को दूर करने का अवसर देगी। शिखर सम्मेलन पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि नौ और 10 सितंबर को हुए शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के बाद परिस्थितियां बदली हैं। नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाने के बाद से दुनिया ने एक के बाद एक कई घटनाएं देखी हैं और कई नई चुनौतियां सामने आई हैं।उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा विकास होगा, जबकि नेता कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह डिजिटल शिखर सम्मेलन न केवल घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा का अवसर देगा, बल्कि लीडर्स को उन महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचारों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने का मौका भी देगा जिनका हम सामना कर रहे हैं। कांत ने कहा कि प्रधानमंत्री साढ़े पांच बजे से शुरू होने वाले शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।'

कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 83 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई फेरबदल नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ 82.27 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.26 डॉलर यानी 0.26 फीसदी लुढ़क कर 77.57 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

उद्योगपतियों ने ममता सरकार की उद्योग नीति की सराहना की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के सातवें संस्करण की शुरुआत हो गई है। पहले दिन रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। उन्होंने यह भी बताया है कि औद्योगिक समूह ने पिछले बंगाल में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल के माहौल की भी सराहना की है।

उन्होंने कहा कि बंगाल के विकास को गति देने में रिलायंस कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अंबानी ने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन कोलकाता के प्रतिष्ठित कालीघाट मंदिर के 'असली गौरव' की बहाली के लिए उसके नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार का काम करेगा। देश की प्रमुख आईटी कंपनी विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने कहा कि पश्चिम बंगाल आईटी उद्योगों के विस्तार के लिए सही नीतिगत माहौल प्रदान करता है।

वहीं आरपीजी समूह के संजीव गोयनका ने कहा कि उनकी कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य में 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि निर्णय लेना त्वरित और कुशल रहा है। इसके अलावा धीमे चलो, हड़ताल और अशांति का दौर भी बीत चुका है। मुख्यमंत्री काम चाहती हैं।

रिलायंस का बंगाल में 45 हजार करोड़ का निवेश

कोलकाता। रिलायंस इंडस्ट्रीज पश्चिम बंगाल में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर कर चुका है और 20 हजार करोड़ का निवेश करेगा। शुरू हुए बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में शामिल होने पहुंचे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने यह जानकारी दी।

अंबानी ने कहा कि आरआईएल ने अब तक पश्चिम बंगाल में करीब 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के 7वें संस्करण में और अधिक निवेश की घोषणा की।

कोलकाता में बीजीबीएस में बोलते हुए उन्होंने कहा, आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आरआईएल तीन साल की अवधि में पश्चिम बंगाल में 20 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगा। अंबानी ने कहा कि रिलायंस जियो ने राज्य में 98.8 फीसदी का कवरेज हासिल किया है। पूरे कोलकाता में शत प्रतिशत कवरेज है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि रिलायंस रिटेल राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है और जियो मार्ट पांच लाख से अधिक किराना स्टोर मालिकों तक पहुंच गया है। अंबानी ने यह भी कहा कि भारत जैव-ऊर्जा का सबसे बड़ा उत्पादक है और जैव-ऊर्जा क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। रिलायंस हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है।

बीजीबीएस में ममता ने की हरित हाइड्रोजन नीति की घोषणा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में आयोजित 'बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट' (बीजीबीएस) में जैव ईंधन को बढ़ावा देने के लिए हरित हाइड्रोजन नीति की घोषणा की। इसके साथ ही ममता ने दीघा में नए 'सब-सी केबल लैंडिंग स्टेशन' बनाए जाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ममता ने राज्य के निर्यात को दोगुना करने, साजो-सामान को आधुनिक बनाने एवं नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नयी नीतियों का खुलासा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की अर्थव्यवस्था 8.41 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रही है और इस वित्त वर्ष में यह 212 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी। बंगाल में 90 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं, जिनमें 1.3 करोड़ लोग काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गलियारों-डानकुनी-कल्याणी, ताजपुर-रघुनाथपुर, डानकुनी-झारग्राम एवं दुर्गापुर-कूचबिहार की योजना बना रही है।

एफडीआई इक्विटी का प्रवाह अप्रैल-सितंबर छमाही में 24 प्रतिशत कम हुआ, 20.48 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली: देश में चालू वित्त वर्ष में पहले छह महीने (अप्रैल-सितंबर) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इक्विटी का प्रवाह 24 प्रतिशत घटकर 20.48 अरब डॉलर हो गया। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन तथा औषधि क्षेत्र में कम प्रवाह के कारण एफडीआई में कमी आई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के पहले छह महीनों यानी अप्रैल-सितंबर के दौरान एफडीआई प्रवाह 26.91 अरब डॉलर था। इस साल जनवरी-मार्च के दौरान भी एफडीआई 40.55 प्रतिशत घटकर 9.28 अरब डॉलर रहा। पिछले साल अप्रैल-जून के दौरान यह 34 फीसदी घटकर 10.94 अरब डॉलर रहा था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, मई, जून, जुलाई और अगस्त में विदेशों से होने वाला निवेश घटा है। हालांकि, सितंबर में यह बढ़कर 4.08 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 2.97 अरब डॉलर था।

कुल एफडीआई समीक्षाधीन अवधि के दौरान 15.5 प्रतिशत घटकर 32.9 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल-जून, 2022 में 38.94 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है। इस वित्त वर्ष के छह महीनों के दौरान सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में कमी आई है।

अप्रैल-सितंबर 2023 के दौरान केमैन आइलैंड्स और साइप्रस से निवेश गिरकर क्रमशः 14.5 करोड़ डॉलर और 3.5 करोड़ डॉलर रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 58.2 करोड़ डॉलर और 76.4 करोड़ डॉलर था। हालांकि, नीदरलैंड, जापान और जर्मनी से निवेश बढ़ा है। क्षेत्रवार बात करें तो कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, व्यापार, सेवाओं, दूरसंचार, वाहन, फार्मा और रसायन में एफडीआई प्रवाह में कमी आई। हालांकि, निर्माण (बुनियादी ढांचा) गतिविधियों, निर्माण विकास और मेटालर्जिकल उद्योग में प्रवाह में वृद्धि दर्ज की गई।

राज्य-वार देखें तो इस अवधि के दौरान महाराष्ट्र में सबसे अधिक 7.95 अरब डॉलर का प्रवाह प्राप्त हुआ, लेकिन पिछले वर्ष की समान अवधि में आठ अरब डॉलर की तुलना में यह कम था। इसी तरह, कर्नाटक में विदेशी निवेश अप्रैल-सितंबर 2023 में गिरकर 2.84 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 5.32 अरब डॉलर था। अन्य राज्य/केंद्र शासित प्रदेश जहां इस तिमाही में एफडीआई में गिरावट आई, उनमें गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, तमिलनाडु और हरियाणा शामिल हैं। दूसरी ओर, इस अवधि के दौरान तेलंगाना, झारखंड और पश्चिम बंगाल में एफडीआई में वृद्धि दर्ज की गई। एक अधिकारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ब्याज दर बढ़ने और वैश्विक तनाव बढ़ने से 2022-23 में एफडीआई प्रभावित हुआ। वित्त वर्ष 2022-23 में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 22 प्रतिशत घटकर 46 अरब डॉलर रहा था।

आईआरईडीए ने एंकर निवेशकों से जुटाए 643 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए) ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी का 2,150 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 21 नवंबर को खुला है, जो 23 नवंबर को बंद होगा।

आईआरईडीए ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि कंपनी ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने 58 कोषों को 32 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 20,10,19,726 शेयर आवंटित किए हैं। यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईआरईडीए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के तहत 40.31 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। कंपनी की योजना मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर 1,290 करोड़ रुपये जुटाने का है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। गौरतलब है कि पिछले साल मई में भारतीय जीवन बीमा निगम के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का पहला आईपीओ है।

टाइटन पांच साल में देगी तीन हजार से अधिक नौकरियां, आईआईएफएल बनी दूसरी बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की टाइटन कंपनी अगले पांच में 3,000 से अधिक लोगों को नौकरियां देगी। ये भर्तियां इंजीनियरिंग, डिजायन, लग्जरी, डिजिटल, डाटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में होगी।

टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट व खुदरा) प्रिया एम पिल्लई ने मंगलवार को कहा, हम अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। इसलिए, अगले पांच साल में 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे।

इरेडा आईपीओ: पहले दिन 1.95 गुना सब्सक्राइब

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के आईपीओ को पहले दिन मंगलवार को 1.95 गुना अभिदान मिला। 2,150 करोड़ के आईपीओ के तहत पेश 47,09,21,451 शेयरों के लिए 91,98,25,200 शेयरों की बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 2.73 गुना बोली लगाई।?उधर, कंपनी ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं।?

आईआईएफएल दूसरी बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी

आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है। इसने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम पार कर लिया है। मणप्पुरम फाइनेंस का गोल्ड लोन एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है। इस बाजार में मुथूट फाइनेंस सबसे आगे है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 275 अंक उछला

नई दिल्ली: मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 275.62 अंक यानी 0.42 फीसदी उछलकर 65,930.77 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 89.40 अंक यानी 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 19,783.40 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयरों में तेजी और सिर्फ 12 शेयर में गिरावट देखने को मिली। फार्मा, रियल्टी और मेटल के शेयरों में एक फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। बाजार में तेजी की वजह वैश्विक कारणों को माना जा रहा है। इसके चलते लगातार खरीदारी होती रही और कारोबार के अंत में दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में शामिल जेएसडब्लू स्टील, टाटा स्टील, टाइटन कंपनी, रिलायंस, सन फार्मा, टाटा मोटर्स, एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, एचसीएल टेक, इंफोसिस, नेस्ले और विप्रो के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एसबीआई, टीसीएस, कोटक महिंद्रा, पावर ग्रिड, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स और एचयूएल के शेयरों में गिरावट रही। उल्लेखनीय है कि हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 139.58 अंक यानी 0.21 फीसदी टूटकर 65,655.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 37.80 अंक यानी 0.19 फीसदी फिसलकर 19,694.00 के स्तर पर बंद हुआ था।

महंगाई का जोखिम अब भी बरकरार सरकार-आरबीआई सतर्क, खाद्य-ऊर्जा की उच्च कीमतों से अनिश्चितता

नई दिल्ली: घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई अब भी जोखिम बना हुआ है। इसे लेकर केंद्र सरकार और आरबीआई, दोनों सतर्क हैं। इस बीच, अगले साल फिर से मंदी का खतरा मंडराने लगा है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी अक्तूबर की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में हालिया नरमी और मुख्य महंगाई में लगातार गिरावट से मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने में मदद मिली है। केंद्रीय बैंक भी इस स्थिति से वाकिफ है। उसके संकेतकों के मुताबिक, उच्च कीमतों से राहत देने के लिए बहुत जरूरी होने पर ब्याज दरों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

वैश्विक मंदी के मोर्चे पर समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच खाद्य और ऊर्जा की उच्च कीमतों से अनिश्चितता का जोखिम बना हुआ?है।?अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं के निर्यात में गिरावट से वैश्विक कारोबार पर दबाव पड़ने की आशंका है। इन तथ्यों को देखते हुए 2024 में मंदी के जोखिम की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती है।

अर्थशास्त्रियों का दावा है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 80-100 आधार अंक तक की गिरावट आ सकती है।?इसकी प्रमुख वजह बाहरी मांग का कमजोर होना बताया जा रहा है। इसके अलावा, असमान बारिश, आम चुनावों के कारण सरकारी पूंजीगत खर्च की गति में संभावित मंदी और मौद्रिक सख्ती का भी जीडीपी के आंकड़ों पर असर दिखेगा। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का अनुमान है कि जीडीपी की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 7 फीसदी रह सकती है।?यह आरबीआई के 6.5 फीसदी के अनुमान से अधिक होगी। बार्कलेज ने 6.8 फीसदी का अनुमान लगया है। उसने कहा, यह अनुमान उपयोगिता क्षेत्रों (खनन व बिजली उत्पादन) और विनिर्माण, निर्माण व सार्वजनिक खर्च के कारण है। सरकार दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े 30 नवंबर को जारी कर सकती है।

जारी हुआ धर्मपरिवार का कार्यक्रम कैलेण्डर आजीवन संरक्षक ने सौपी जिम्मेदारियॉ

पुष्पांजली टुडे

रीवा। पारिवारिक दायित्वों, समय के अभाव के चलते समूचे वर्ष भर होने वाले धार्मिक उत्सवों को एक शाखा द्वारा मानाया जाना पूरी तरह से संभव नहीं हो पाता है और कोई ना कोई कमी रह जाती है, इसलिये हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार की सभी शाखायें मिलजुलकर आपसी तालमेल बनाकर अपने उद्देश्यों के अनुरूप कर्तव्यों का निर्वहन करेगी। इस आशय को लेकर धर्मपरिवार के संस्थापक आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी ने 2024 का वार्षिक कैलेण्डर जारी किया है, जिसमे सभी शाखाओं को जिम्मेदारियॉ सौपी गई हैं, जिनको वो अपने संसाधनों एवं परिकल्पना से स्वतंत्र रूप से संपादित करेंगी। साथ ही एक दूसरे की गरिमा का ख्याल रखेंगी।धार्मिक उत्सव मनाने वरिष्ठ शाखा मकर संक्रांति, शिवरात्रि, स्वतंत्रता दिवस, नवदुर्गा गरवा, श्री राम धर्म विजय शोभा यात्रा मे सहभागिता करेगी। युवा शाखा रामनवमी, होली, गणेशोत्सव, दीपोत्सव का दायित्व संभागलेगी। महिला शाखा को बसंत पंचमी, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी मनाने की जिम्मेदारी सौपी गई है।इसके अलावा वर्ष भर महापुरूषों की जयंतियों के साथ सामाजिक सांस्कृतिक, रचनात्मक कार्यों मे स्वैच्छिक अभिरूचि का परिचय शाखा पदाधिकारी दे सकते हैं। सभी शाखायें आपस मे सहयोग और भाईचारे के साथ कार्य करेगी, धर्मपरिवार नगर मे धार्मिक उत्सवों की परम्परा को जारी रखना चाहता है।

सुमित मांजवानी
युवा अध्यक्ष
हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार रीवा (म0प्र0)

केन्दीय जेल का निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अहमद रजा के नेतृत्व में केन्द्रीय जेल में विधिक साक्षरता शिविर के साथ ही केन्द्रीय जेल का निरीक्षण किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अहमद रजा ने बंदियों को प्लीवारगेनिंग प्रकिया के बारे में जानकारी दी एवं बंदियों को लीगल एड डीफेन्स काउन्सल सिस्टम के बारे मे बताया जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्रीय जेल अधीक्षक एस.के.उपाध्याय, उप अधीक्षक श्याम किशोर कुशवाहा, अनिल गेदले, सुरेन्द्र सिंह, आनन्द पाण्डेय, मंजूर अहमद, अनीस पाण्डेय, श्रीमती आरती तिवारी, राजेश शुक्ल् सहित समस्त स्टांफ एवं बंदीगण उपस्थित रहें।

संभाग आयुक्त की अध्यक्षता में हुई शिक्षविदों की बैठक

शहर के वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण, शहर की स?को को कचरा मुक्त करना, यूनेस्को द्वारा सिटी ऑफ म्यूजिक घोषित होने का लाभ उठाकर ग्वालियर में पर्यटन को बढावा और नई पीढी को हिंसात्मक प्रवृति और ल?ाई-झगडे से दूर रखने जैसे रचनात्मक विषयों पर संभागीय आयुक्त दीपक सिंह की अध्याक्षता में आयोजित हुई शिक्षाविदों और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में गहन विचार मंथन किया गया। साथ ही इन रचनात्मक विषयों को साझा प्रयासों से प्रभावी ढंग से धरातल पर लाने के लिए रणनीति भी बनाई गई। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा कि एयर पोल्यूशन ग्वालियर शहर के लिए विशेष चिंता की बात है। इससे निपटने के लिए नई पीढी की भी भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बैठक में मौजूद विभिन्न विश्व विद्यालयों के कुलपतियों एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा से कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ भारत मिशन पर महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कराएँ। इस काम मे जिला प्रशासन से पूरा सहयोग दिलाया जाएगा। संभाग आयुक्त ने कहा कि शहर में जन जागरूकता अभियान के जरिए ऐसा वातावरण बनाएँ, जिससे लोग स?क के किनारे व स?क पर कचरा न फेंके। संभाग आयुक्त ने कृषि विश्व विद्यालय के तकनीकी सहयोग लेकर शहर की स?कों को डस्ट फ्री बनाने पर भी बल दिया।

पूरी सावधानी और पारदर्शिता से मतगणना करें - जिला निर्वाचन अधिकारी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में आरंभ होगी। मतगणना के लिए विधानसभावार कक्ष निर्धारित किए गए हैं। मतगणना के लिए गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक तथा माइक्रो प्रेक्षक तैनात कर दिए गए हैं। इनका एक दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय विधि महाविद्यालय के विभिन्न कक्षों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मतगणना के संबंध में निर्देश देते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि मतगणना पूरी सावधानी तथा पारदर्शिता से करें। निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप मतगणना करें। मतगणना के दौरान अपना व्यवहार संयमित रखें। गणना प्रारंभ करने के पूर्व प्रत्येक मतगणना एजेण्ट को वोटिंग मशीन तथा उसकी सील दिखाएं। इसके बाद निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार मतगणना करें। मतगणना मशीन में दर्ज तथा पीठासीन अधिकारी के मतपत्र लेखा में दर्ज कुल मतों का मिलान करें। वोटिंग मशीन में यदि ग्रीन पेपर सील टूटी हुई है तो उसे रिटर्निंग आफीसर के समक्ष प्रस्तुत करें। मतगणना एजेण्टों द्वारा किसी तरह की आपत्ति उठाए जाने पर उसकी जानकारी रिटर्निंग आफीसर को दें। गणना एजेण्टों को पूरी तरह से आश्वस्त करने के बाद मतगणना करें। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना दिवस में ही प्रातः 6 बजे सभी को रेण्डमाइजेशन के बाद ड्यूटी आदेश प्रदान किए जाएंगे। सबसे पहले डाक मतपत्रों तथा ईटीपीबीएस की गणना होगी। डाक मतपत्रों की गणना के लिए अलग से दल तैनात रहेगा। डाक मतपत्रों के साथ दिए गए घोषणा पत्र की जांच कर लें। घोषणा पत्र में मत पत्र क्रमांक ठीक होने तथा उचित अधिकारी द्वारा प्रमाणित होने के बाद ही इसे मान्य करें। घोषणा पत्र में मत देने वाले कर्मचारी के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है। मतगणना की निगरानी के लिए माइक्रो प्रेक्षक भी तैनात रहेंगे। प्रशिक्षण देते हुए नोडल अधिकारी प्रशिक्षण डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि वोटिंग मशीन से मतदान होने के कारण मतगणना में कोई कठिनाई नहीं होगी। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मशीन के परिणाम खण्ड से कुल मत तथा उम्मीदवार को मिले मतों को देखकर निर्धारित प्रपत्र में अंकित करें। गणना एजेण्टों को भी प्रत्येक चक्र में उम्मीदवार को मिले मतों की जानकारी दें। साथ ही निर्धारित प्रपत्र में गणना एजेण्ट के हस्ताक्षर भी प्रत्येक चक्र के परिणाम में कराएं। मतगणना के लिए तैनात अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. अमरजीत सिंह तथा अन्य मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में बताया गया कि डाक मतपत्रों की गणना रिटर्निंग आफीसर के स्तर पर की जाएगी। वोटिंग मशीन में गणना करने के पूर्व उसके सभी एड्रेस टेग तथा सील का निरीक्षण करें। मशीन में अंकित कुल मत की जानकारी मतगणना एजेण्ट को दें। प्रत्येक उम्मीदवार को प्राप्त मतों की जानकारी भी उनके उम्मीदवारों को देते हुए निर्धारित प्रपत्र में दर्ज करें। इसमें एजेण्ट के हस्ताक्षर भी कराएं। गणना के लिए प्रत्येक विधानसभा में एक से 14 तक टेबिलें रहेंगी। पहली टेबिल पर मतदान क्रमांक एक की मशीन आएगी। इसी तरह मतगणना मतदान केन्द्रवार की जाएगी। जिन केन्द्रों में तकनीकी खराबी के कारण एक से अधिक मशीनों का उपयोग किया गया है उन्हें भी एक इकाई मानकर ही गणना की जाएगी। प्रत्येक चक्र की गणना करने के बाद प्रत्येक टेबिल की जानकारी सहायक रिटर्निंग आफीसर तथा रिटर्निंग आफीसर के पास जाएगी। निर्वाचन आयोग द्वारा तैनात सामान्य प्रेक्षकों की अनुशंसा के बाद अंतिम रूप से चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी। इस दौरान गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक व विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग कालेज में 3 दिसम्बर को होगी मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच होगी मतगणना

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना प्रातः 8 बजे से आरंभ होगी। मतगणना केन्द्र में सुरक्षा के क? प्रबंध रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि उम्मीदवारों तथा प्रेक्षकों की उपस्थिति में प्रातः 7.30 बजे स्ट्रांग रूम खोले जायेंगे। रिटर्निंग आफीसरों द्वारा मतगणना तथा स्ट्रांग रूम खोले जाने की लिखिल सूचना उम्मीदवारों को दी गयी है। स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक ईव्हीएम ले जाने के लिए पृथक से दल तैनात किया गया है। अधिकारियों की निगरानी में ईव्हीएम मतगणना कक्ष तक जायेंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। मऊगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना दो कक्षों में होगी। शेष सभी विधानसभा की मतगणना के लिए विधानसभावार एक कक्ष निर्धारित किया गया है। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबुलों में मतगणना होगी। प्रत्येक चक्र में 14 मतदान केन्द्रों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबुल में मतगणना सहायक, माइक्रो प्रेक्षक, सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर की टेबुल में डाक मतपत्रों की गणना शुरू होगी। इसके लिए अलग से मतगणना टीम तैनात रहेगी। अंतिम परिणाम मिलने तक मतगणना लगातार जारी रहेगी। प्रत्येक चक्र की गणना पूरी होने के बाद रिटर्निंग आफीसर द्वारा हस्ताक्षर के बाद इसे इनकोर पोर्टल पर आनलाइन दर्ज कर दिया जायेगा। इसके बाद कोई भी व्यक्ति निर्वाचन आयोग की बेवसाइट तथा एप्प पर परिणाम देख सकता है। मीडिया सेंटर में भी प्रत्येक चक्र के परिणाम विधानसभावार प्रदर्शित किये जायेंगे। मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना की विधानसभावार तथा चक्रवार जानकारी देने के लिए मीडिया सेंटर बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग से प्राधिकार पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर में जाने की अनुमति होगी। मतगणना केन्द्र में उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश करने की अनुमति रहेगी। मतगणना की चक्रवार जानकारी देने के लिए पृथक से टीम तैनात की जाएगी। मतगणना पूरी होने के बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर विजेता प्रत्याशी को निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।

इनकोर पोर्टल से मिलेगी मतगणना की तत्काल जानकारी,इनकोर पोर्टल में मतगणना की जानकारी दर्ज करने का दिया गया प्रशिक्षण

पुष्पांजली टुडे

रीवा। निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना दिवस में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतगणना की चक्रवार जानकारी उम्मीदवारों, राजनैतिक दलों तथा आमजनता को उपलब्ध कराने के लिए इनकोर पोर्टल के माध्यम से व्यवस्था की गई है। मतगणना केन्द्र में पृथक से कम्प्यूटर आपरेटर तथा अधिकारी विधानसभावार तैनात रहकर प्रत्येक चक्र की मतगणना की मतदान केन्द्रवार जानकारी दर्ज करेंगे। इस संबंध में निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि श्री सौरभ कुमार ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। कलेक्ट्रट के मोहन सभागार से सहायक कलेक्टर सोनाली देव, सभी रिटर्निंग आफीसर तथा सहायक रिटर्निंग आफीसर, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस आशीष दुबे, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल एवं इनकोर पोर्टल में जानकारी दर्ज करने के लिए तैनात टीम के सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि इनकोर पोर्टल में सबसे पहले ईटीबीपीएस से प्राप्त डाक मतपत्रों की जानकारी प्रातः 8 बजे से दर्ज की जाएगी। इसके लिए जारी प्रपत्र 13 ए तथा 13 बी को स्कैन करके पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। ईटीपीबीएस डाक मतपत्र के सभी प्रपत्र अपलोड करने के बाद रिटर्निंग आफीसर द्वारा उन्हें मान्य कर दर्ज किया जाएगा। इनकोर पोर्टल में जानकारी दर्ज करने के लिए रिटर्निंग आफीसर को लॉगिन की सुविधा दी गई है। इसमें प्रत्येक चक्र की मतगणना के बाद मतगणना टेबिल

क्रमांक के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार को प्राप्त मतों की संख्या दर्ज की जाएगी। इसके बाद एक चक्र की गिनती समाप्त होने पर दर्ज पोर्टल में मतों की संख्या का प्रिंट आउट लेकर उसे रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। रिटर्निंग आफीसर द्वारा मान्य किए जाने के बाद उसे पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्रत्येक टेबिल की जानकारी पूरी सावधानी से दर्ज करें। यदि किसी टेबिल की ईव्हीएम की किसी भी कारण से मतों की गणना नहीं की जा रही है तो उसमें कुछ भी दर्ज न करें।प्रशिक्षण में बताया गया कि यदि किसी टेबिल के मतों की जानकारी दर्ज करने में गलती हो गई है तथा आगे के चक्रों की मतगणना के परिणाम दिए जा चुके हैं तो रिटर्निंग आफीसर एडिट आप्शन सही जानकारी दर्ज कर सकेंगे लेकिन जिस चक्र में गलती हुई है उसके बाद के सभी चक्रों की जानकारी तथा परिणाम पुनः देने होंगे। इनकोर पोर्टल में मतगणना की जानकारी दर्ज करने के लिए दो दिसम्बर को ही सभी तैयारियाँ पूरी कर लें। जिस कक्ष में जानकारी दर्ज की जाए वहाँ हाई स्पीड इंटरमनेट की निर्बाध सुविधा आवश्यक होगी। साथ ही विद्युत आपूर्ति के लिए पावर बैकप की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखें। किसी भी स्थिति में पावर सप्लाई बंद नहीं होनी चाहिए।

नगर परिषद मऊगंज के कर्मचारियों में नहीं है किसी का भय नगर परिषद के लगभग सभी कक्षों के नहीं खुलते समय पर ताले

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर

जिला ब्यूरो चीफ
मऊगंज

मऊगंज।मऊगंज जिले के नगर परिषद मऊगंज में कार्यालय खुलने के समय में कर्मचारी उपस्थित नहीं रहते। सभी कमरो में अपनी मनमानी के हिसाब से कर्मचारी आते और जाते हैं। अक्सर यह देखा जाता है कि कार्यालय में ताले लगे रहते हैं इन कर्मचारियों और अधिकारियों को किसी का भय नहीं है कार्यालय खुलने का वैसे तो समय 10.30 बजे है लेकिन 12 बजे से पहले यहां कोई कर्मचारी नहीं आता ना तो उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों का डर है और ना ही जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का। अपनी मनमानी के हिसाब से कार्यालय में आना और जाना बना रहता है। नगर के लोग अपने काम को जब लेकर आते हैं तो अक्सर उन्हें कर्मचारियों के अनुपस्थिति के कारण वापस चला जाना पड़ता है ।मऊगंज जिला तो बन गया लेकिन आज भी इस जिले के कर्मचारी बेलगाम है। इनके अंदर किसी का भय नहीं है अक्सर सरकारी कार्यालय समय पर नहीं खोलते ,वही पुरानी प्रणाली दिखाई दे रही है जिसमें मनमानी पूर्ण तरीके से कर्मचारियों का आना-जाना लगा रहता है देखना है कि जिला प्रशासन कब इन लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त एक्शन लेता है या यूं ही सिलसिला चलता रहेगा। नगर परिषद मऊगंज के अध्यक्ष बृजवासी पटेल ने बताया कि उन्होंने आज छह कर्मचारी को अनुपस्थित पाए जाने पर अनुपस्थित कर दिया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से कलेक्टर भिण्ड को मतगणना से अलग रखने की मांग की- डॉ. गोविन्द सिह

- कलेक्टर भिण्ड की निष्पक्षता पर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

भोपाल।विधानसभा मे नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड संजीव श्रीवास्तव की निष्पक्षता पर संदेह उठाते हुए उन्हें मतगणना की प्रक्रिया से अलग रखने की मांग की है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन से मुलाकात करके कहा कि भिण्ड कलेक्टर शुरू से ही चुनाव को प्रभावित करने और भाजपा के एजेन्ट के रूप में काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि भिण्ड कलेक्टर अपनी पदस्थापना के समय से ही अपने अधीनस्थ अधिकारियो से यह पूछते रहे हैं कि डॉ. गोविन्द सिंह 07 बार किस प्रकार चुनाव जीते है। डॉ. गोविन्द सिंह ने बताया कि भिण्ड कलेक्टर पूरे जिले के निर्वाचन अधिकारी है, लेकिन मतदान के दिन वे केवल लहार विधानसभा क्षेत्र में पूरे दिन मतदान शुरू होने से लेकर समाप्त होने तक घूमते रहे । उनके निर्देश पर बीएसएफ कर्मी मतदान करने वाले मतदाताओं के आधार कार्ड की जांच कर रहे थे। जबकि यह काम पीठासीन अधिकारी का हैं। बीएसएफ द्वारा मतदाताओं से पूछताछ किये जाने से क्षेत्र में भय व्याप्त हो गया। डॉ. सिंह ने कहा कि मतदान केन्द्र 50 धनुपुरा और 45 गांध में अनेक मतदाताओं के साथ मारपीट की गई जिससे कोई मतदान नहीं कर सके। कलेक्टर के इशारे पर कांग्रेस पार्टी के मतदान अभिकर्ताओं को मतदान केन्द्र से बाहर बैठाकर रखा गया और पीठासीन अधिकारियों द्वारा भाजपा के पक्ष में फर्जी मतदान कराया गया। लहार में निर्वाचन के कार्य में लगे शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा डाले गये डाक मत पत्रों को कोषालय में जमा नहीं किया गया। इसकी शिकायत करने के बाद लहार की आईटीआई में एक खुली अलमारी में डाक मत पत्र पाये गय जिसमे कई लिफाफे खुले हुये थे। एक दिन बाद इन डाक मत पत्रों को कोषालय में जमा कराया गया। डॉ. गोविन्द सिंह बताया कि कई कर्मचारी जो ड्यूटी में संलग्न थे लेकिन उनका नाम डाक मत सूची नहीं शामिल किया गया जिससे वह मतदान से वंचित रह गये। डॉ. गोविन्द सिह मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से कहा कि उन्हें कलेक्टर भिण्ड के रवैये को देखते हुए संदेह है कि उनके रहते निष्पक्षतापूर्वक मतगणना संभव नहीं है। उन्होंने मांग की है कि लहार क्षेत्र की मतगणना से कलेक्टर भिण्ड को अलग रखते हुए किसी अन्य अधिकारी को दायित्व सौपा जाए

आचार संहिता की आड़ में मतगणना मतगणना से पहले गैस राहत के अस्पताल बंद करने की साजिश

भोपाल। देश व मध्यप्रदेश के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी भोपाल गैस कांड के प्रभावित पीडितों के साथ राज्य सरकार के कुछ दो चार अधिकारी अपनी मनमानी कर गैस राहत हास्पीटल व डिस्पेंसरी को बंद करने की साजिश में लगे हैं। यह गैस राहत हास्पीटल व डिस्पेंसरी कभी भी बंद की जा सकती हैं। चुनावी आचार संहिता की आड़ में स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारी व विभागीय मंत्री ने गुपचुप रूप से डिप्टी सेकेटरी से इसकी फाइल भी तैयार करा ली है।भोपाल में गैस त्रासदी से पीड़ितों को राहत व इलाज देने के लिये यह हास्पीटल व डिस्पेंसरी खोले गये थे। जिसमें प्रतिदिन आज भी 2500 से भी अधिक पीडित स्त्री पुरूष व बच्चे इलाज को आते हैं। जिसमे गैस के सर्वाधिक पीड़ित व्यक्ति इसमे अपना शीघ्र इलाज विशेषज्ञों से कराते हैं। आपको याद होगा कि भोपाल गैस त्रासदी की घटना देश के अभी तक के इतिहास में ऐसी सबसे बड़ी घटना हैं, जिसमे यूनियन कार्बाइड कंपनी से जहरीली मिथाईल आईसोसाइनाइड

गैस रिसी थी। इसके कारण 5 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई थी और लगभग पौने छह लाख लोग इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से बीमार, अपंग या स्थाई रूप से शारीरिक रूप से अक्षम हो गये थे।इन पीड़ितों के इलाज व नई जनरेशन के लिये तत्कालीन सरकारों ने गैस राहत के नाम पर हास्पीटल व डिस्पेंसरी खोली थी, जिसमे 6 हास्पीटल व 9 डिस्पेंसरी अभी भी कार्यरत है। जिसमें पदस्थ चिकित्सक, नर्स व अन्य स्टाफ गैस प्रभावितों की सेवा करते हैं। लेकिन अब राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ सर्वोच्च अफसरों ने अपने निजी लाभ के कारणों से गैस राहत के हास्पीटल व डिस्पेंसरी को बंद करने की प्लानिंग कर ली है। अब गैस पीडितों को स्वास्थ्य विभाग के हास्पीटल में इन गैस पीडितों का इलाज कराने की तैयारी की हैं, जहां पहले से ही मरीजों की भारी भीड़ इलाज को लेकर भटकती रहती है। सूत्रों का कहना है कि यदि गैस पीड़ितों को सही इलाज व समय पर न मिले तो उन्हें बेहद परेशानी होगी। भोपाल में गैस राहत अस्पतालों व डिस्पेंसरी में इन्हें इलाज तत्काल उपलब्ध होता हैं और यहां के विशेषज्ञ भी इनके इलाज के कारण, उनकी नब्ज व निदान से वाकिफ है। जिसके कारण गैस पीड़ित लोग भी अपना तत्काल इलाज शुरू कराकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं।

गोवर्धन की पूजा से होता है पाप एवं संकटों का नाश: समर तीर्थ

ग्वालियर। परमार्थ आश्रम बेला की बावड़ी के पास ए वी रोड पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस की कथा में भागवत आचार्य समर तीर्थ महाराज ने बताया की इंद्र देवता ने जल की वर्षा की तो सब बृजवासी भगवान श्री कृष्ण की शरण में गए बोले अब हमारी इंद्र के कोप से रक्षा कौन करेगा तो भगवान ने कहा हमने जिसकी पूजा की है वही हमारी रक्षा करेगा और भगवान ने गोवर्धन पर्वत को धारण कर लिया बृजवासियों की रक्षा के लिए 7 दिन तक भगवान ने गोवर्धन को धारण किया और सभी बृजवासियों के संकट दूर किया जो भक्त गोवर्धन की पूजा करता है परिक्रमा करता है गोवर्धन भगवान उसके जीवन के समस्त संकटों को

दूर कर देते हैं मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने वेदमंत्रों के द्वारा भगवान गोवर्धन का पूजन कराया एवं 56 प्रकार के व्यंजनों से भगवान का भोग लगाया और बताया कि 24 नवंबर शुक्रवार कोरुक्मणी विवाह बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा7 इसी क्रम में 26 नवंबर को *परमार्थआश्रम की की तरफ से 15 कन्याओं का निशुल्क विवाह संपन्न कराया जाएगा7 परीक्षित श्रीमती रमाबाई पाल मुरारी लाल मित्तल रामकृष्ण बघेल कन्हैया लाल आनंद उमेश अरोड़ा श्रीमती प्रेमवती श्रीमती गिरिजा देवी गोपाल चौरसिया रवि मल्होत्रा सिद्धांत कुशवाह सुनील अग्रवाल ख्यालीराम बघेल एवं समस्त भक्तों ने भगवान गिरिराज जी की एवं भागवत भगवान की आरती उतरी और आज की कथा को विश्राम दिया7

चार दिवसीय रंगोत्सव राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 25 से, देशभर से आयेंगे कलाकार

ग्वालियर। प्रो. डॉ. श्रीमती वासंती जोशी की स्मृति में चार दिवसीय रंगोत्सव राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन ग्वालियर में 25 से 28 नवम्बर तक किया जायेगा। इसमें देशभर के प्रमुख कलाकार भाग लेंगे। अध्यक्ष प्रमोद जोशी ने बताया कि कल्पवृक्ष आर्ट गैलरी का शुभारंभ किया जाएगा। इसके मुख्य अतिथि जेजे स्कूल ऑफ आर्ट मुम्बई के डॉ. गणेश करकरे होंगे तथा अध्यक्षता फाइन आर्ट कॉलेज आगरा की प्रो. सरोज भार्गव करेंगीं। आर्ट गैलरी का शुभारंभ शक्ति विहार दर्पण कॉलोनी के पीछे 25 नवम्बर को सायं 5 बजे होगा। अगले दिन कार्यशाला का आयोजन शास्त्री नगर के सामने होटल सेलीब्रेशन में होगा। 27 नवम्बर को सुबह बैजाताल पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी। समापन एवं प्रदर्शनी का आयोजन 28 नवम्बर को होगा। इसके मुख्य अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साहित्य कुमार नाहर होंगे। श्रीमती वासंती जोशी कला एवं सांस्कृतिक समिति के कोषाध्यक्ष सीए पुनीत जोशी, सचिव प्रो. बलवंत भदौरिया एवं मैत्रियी शुक्ल भी मौजूद रहेंगीं। कार्यशाला में देश भर के 30 से अधिक जाने माने चित्रकार व कलाकार भाग ले रहे हैं। ग्वालियर से अनूप शिवहरे व डॉ. संजय धवले, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक जनसंपर्क सुभाषचंद्र अरोरा भी मुख्य रूप से शामिल होंगे

सहज भाव व तनाव मुक्त होकर व पूरी सतर्कता के साथ करें मतों की गिनती :कलेक्टर

ग्वालियर। सहज भाव व तनाव मुक्त होकर और पूरी सतर्कता के साथ भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना सम्पन्न कराएँ। प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं की शंकाओं का समाधान करें। जरूरत होने पर संबंधित सहायक रिटर्निंग व रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से भी गणना अभिकर्ताओं को संतुष्ट कराएँ। यह बात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारीअक्षय कुमार सिंह ने मतगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। उन्होंने इस अवसर पर मोटीवेशनल स्पीच देकर मतगणना अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। साथ ही उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए मतों की गिनती के लिये तैनात किए गए अधिकारियों व कर्मचारियों को गुरूवार को यहाँ भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया गया। मतगणना के लिये तैनात अमले ने ईवीएम में दर्ज मत और डाक मत पत्र गिनने की बारीकियाँ सीखीं। मतगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण के बाद यहीं पर माइक्रो ऑब्जर्वर को भी प्रशिक्षित किया गया। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एस बी ओझा ने यह प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह ने मतगणना अमले को निर्देश दिए कि मतों की गिनती का काम पूरी तरह मुस्तैद होकर व सावधानी के साथ करें। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना के संबंध में निर्धारित

दिशा-निर्देशों का भी कड़ाई से पालन किया जाए। मतगणना अधिकारियों के प्रथम चरण के प्रशिक्षण में गणना पर्यवेक्षक व गणना सहायकों को इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन से मतगणना करने की बारीकियां सिखाई गईं। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे ने बताया कि प्रथम चरण के प्रशिक्षण में 160 पर्यवेक्षक व 182 गणना सहायकों सहित लगभग 550 अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। साथ ही 156 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा 160 माइक्रो ऑब्जर्वर को भी मतगणना कार्य की निगरानी रखने का प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एस बी ओझा ने प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी कि हर विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम के मतों की गिनती के लिये 14 ङ्क 14 गणना टेबल लगाई जायेंगीं। प्रत्येक टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, एक गणना सहायक व एक माइक्रो आब्जर्वर तैनात होंगे। इस प्रकार ईवीएम के मतों की गिनती के लिये एक टेबल पर तीन अधिकारी तैनात रहेंगे। डाक मत पत्रों की गिनती के लिये लगाई जाने वाली हर टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, दो गणना सहायक व एक माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए जायेंगे। इस प्रकार डाक मत पत्र की टेबल पर चार अधिकारी नियुक्त होंगे। मतगणना के लिये एमएलबी कॉलेज में हर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतों की गिनती के लिये दो - दो मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। प्रत्येक कक्ष में 7 - 7 टेबल लगाई जायेंगीं। इस प्रकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 14 टेबलों पर ईवीएम के मतों की गणना का काम संपादित होगा। डाक मत पत्रों की गिनती के लिए अलग से टेबल लगाई जायेंगीं। ईवीएम व डाक मत पत्रों की गिनती के लिए लगाई गईं सभी टेबलों पर प्रत्याशियों के गणना एजेंट मौजूद रह सकेंगे।

पहले डाक मत पत्रों की गिनती शुरू होगी

-भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के मुताबिक 3 दिसम्बर को प्रात- 8 बजे डाक मत पत्रों की गिनती शुरू होगी। इसके आधा घंटे बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की जायेगी। दोनों प्रकार के मतों की गिनती समानान्तर रूप से जारी रह सकेगी।

धरोहर के संरक्षण में जनसामान्य का योगदान विषय पर व्याख्यान माला 24 को

व्याख्यान माला

ग्वालियर । प्रदेश के संस्कृति विभाग पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय के तत्वावधान में 24 नवम्बर को राज्य संरक्षित स्मारक मोतीमहल के सभागार में विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवम्बर के उपलक्ष्य में ÷धरोहर के संरक्षण में जन सामान्य का योगदान÷ विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। व्याख्यान माला का शुभारंभ संभागीय आयुक्त दीपक सिंह के मुख्य आतिथ्य में होगा। उप संचालक पुरातत्व से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से आयोजित इस व्याख्यान माला में विद्वान डॉ. आर एस शर्मा, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, विभागाध्यक्ष विद्वान डॉ. आर एस शर्मा, शांतिशरण सिसोदिया, डॉ. ए के सिंह के साथ ही जीवाजी विश्वविद्यालय एवं अन्य विद्यालयों के लगभग 150 छात्र उपस्थित रहेंगे।

संभागीय आयुक्त ने देखी कालीन पार्क, रेडीमेड गारमेंट पार्क और आईटी पार्क में संचालित गतिविधियाँ

ग्वालियर । संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने ग्वालियर में स्थापित रेडीमेड गारमेंट पार्क, कालीन पार्क एवं केन्द्र व राज्य के आईटी पार्क का अवलोकन किया। इसके साथ ही केन्द्रों पर संचालित गतिविधियों के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा है कि ग्वालियर में इन महत्वपूर्ण केन्द्रों का उपयोग और बेहतर ढंग से किया जाना चाहिए ताकि युवाओं को इसका लाभ मिल सके।

संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने रेडीमेड गारमेंट पार्क के अवलोकन अवसर पर पार्क में संचालित दो यूनिटों का अवलोकन किया तथा इन केन्द्रों पर निर्मित किए जा रहे उत्पादों को देखा। इसके संबंध में विस्तार से चर्चा भी की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि रेडीमेड गारमेंट पार्क में रिक्त भूमि पर अधिक से अधिक यूनिट आएँ, इसके लिये रेडीमेड गारमेंट के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यवसाईयों से संपर्क कर रेडीमेडी गारमेंट पार्क का अवलोकन कराएँ, ताकि अधिक से अधिक व्यवसायी इस रेडीमेड पार्क में अपनी यूनिट स्थापित कर स्थानीय स्तर के लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकें। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने रेडीमेड गारमेंट पार्क में संचालित यूनिट संचालकों से भी आग्रह किया कि वे रेडीमेड गारमेंट के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यवसाइयों को पार्क में अपनी यूनिट लगाने के लिये प्रोत्साहित करें, इसके साथ ही प्रदेश

के अन्य शहरों में भी रेडीमेड के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यवसाइयों को इसकी जानकारी दें ताकि प्रदेश के अन्य शहरों के व्यवसायी भी यहां पर आकर अपनी यूनिट स्थापित कर सकें। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि रेडीमेड पार्क के व्यवसाइयों का जो संगठन है वह भी अधिकारियों के साथ निरंतर बैठकें करें और पार्क की बेहतरी के लिये और क्या ङ्क क्या प्रबंध किए जा सकते हैं इसके संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने ग्वालियर में स्थापित कालीन पार्क का भी अवलोकन किया। ग्वालियर में निर्मित कालीन न केवल देशभर में बल्कि विदेशों में भी भेजा जाता है। कालीन निर्माण के क्षेत्र में ग्वालियर का अलग स्थान है। कालीन पार्क के माध्यम से स्थानीय बुनकरों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिये सार्थक पहल करें। केन्द्र सरकार को भेजी गई डीपीआर की स्वीकृति होने तक स्थानीय लोगों को कालीन पार्क का अवलोकन कर उन्हें यहाँ लाने के प्रयास किए जाएँ। इसके साथ ही फैशन डिजायनिंग के विद्यार्थियों को भी केन्द्र का अवलोकन कर प्रोजेक्ट के रूप में कार्य हाथ में लेने का आग्रह किया जाए। संभागीय आयुक्त ने इसके पश्चात केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित आईटी पार्क का भी अवलोकन किया। आईटी पार्क को और उपयोगी बनाए जाने पर उन्होंने जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने रेडीमेड गारमेंट पार्क, कालीन पार्क एवं आईटी पार्क के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

एसएएफ आरक्षक की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका, पिता और छोटा भाई हिरासत में

ग्वालियर । गिरवाई इलाके में रहने वाले एसएएफ आरक्षक की हत्या एक रोज पूर्व पिता और भाई से झगड़ा हुआ था। आशंका है कि झगड़े में ही है।

गिरवाई स्थित सिकंदर कंपू इलाके में रहने वाला

कर दी गई। उसके शरीर पर चोटों के निशान हैं, उसकी लाश झाड़ियों में मिली। इसके बाद उसके शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भिजवाया गया। मृतक का उसकी मौत हुई, जिसके बाद शव को ठिकाने लगाने की योजना थी। पुलिस ने फिलहाल पिता, भाई और उसके दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी अंशुमान उर्फ शानू राजावत एसएएफ में आरक्षक था। उसकी पोस्टिंग भोपाल में थी। वह भोपाल से ग्वालियर छुट्टी पर आया था। रात को गिरवाई इलाके से कुछ लोग गुजर रहे थे, तभी इनकी नजर पड़ी तो झाड़ियों में उसकी लाश पड़ी हुई थी। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गिरवाई थाने की फोर्स यहां पहुंच गई। रात में ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पड़ताल शुरू की गई। मृतक की पहचान अंशुमान राजावत के रूप में हुई। उसके बारे में पता लगा है कि वह एसएएफ में आरक्षक था। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। घटना के बाद पुलिस निकल ही रही थी, तभी दो लोग बाइक से निकलते दिखे, जिनकी पहचान मृतक के भाई और उसके दोस्त के रूप में हुई, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कृषि विश्वविद्यालय के 21 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिये रवाना

ग्वालियर। कृषि विश्वविद्यालय के 21 विद्यार्थियों को आज अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण हेतु ग्वालियर जिलाधीश अक्षय कुमार सिंह ने शुभकामनाएं देकर विदाई दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से संचालित नाहेप परियोजना द्वारा इन विद्यार्थियों को तीन अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में भेजा जा रहा है। इनमें 9 विद्यार्थी मोहम्मद अमीन सदाथ, प्रिंसी धाक?, अभिषेक जयसवाल, परीक्षित गैज, प्रिया प्रजापति, कंचन तिवारी, निकिता नागर, अदिति प्रधान, नाबिया खान को अंतर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेंहू सुधार केन्द्र (सिमिट), मैक्सिको, 5 विद्यार्थी मोहित पाटीदार, रागिनी रजक, अभिषेक मीना, सक्षम मेहरा, प्रियांशु पटेल को ह्यु कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय, वियतनाम तथा 7 विद्यार्थी नैन्सी राठौर, रेना शर्मा, प्रियांशी सिंह ठाकुर, लोकेन्द्र सिंह, वर्षा प्रजापति, प्राची चौहान, अंशुल पाटीदार को एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान, बैकांक, थाईलैण्ड जाएंगे।अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में जाने वाले विद्यार्थियों हेतु फ्लैग आफ सेरेमनी के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर जिलाधीश अक्षय कुमार सिंह ने सभी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस अवसर का लाभ लेकर

कृषि में नवीन तकनीकों व प्रौद्योगिकी का विकास करें तथा देश की प्रगति में सहयोगी बने। कार्यक्रम के अध्यक्ष कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि कृषि अन्य विषयों से अलग विषय है, इसमें किताबी ज्ञान के साथ आपको क्षेत्र आधारित प्रायोगिक अनुभव की भी आवश्यकता होती है। विद्यार्थी अपनी मानसिकता बदलें अपने चारों ओर के वातावरण का अध्ययन करें तथा सकारात्मक विचारों का विकास करें। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भी कृषि व कृषकों को लाभ पहुंचाने के लिए नवीन तकनीकों का विकास कर रहा है जिसमें ऑटोमेटिक इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिलाधीश सिंह द्वारा बायोटैक्नोलॉजी लैब में भी आलू उत्पादन तकनीक का निरीक्षण किया। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थी उच्च गुणवत्ता वाले मानव संसाधनों, उन्नत और प्रभावी तकनीकों उत्पादों का प्रशिक्षण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण और प्रबंधन का अध्ययन, खाद्य सुरक्षा में योगदान, गेहूं और मक्का की उन्नत किस्मों के विकास व उत्पादन को ब?ावा, फसल की बीमारी को रोकने और छोटे किसानों को बेहतर बनाने में मदद करने की कृषि पद्धतियां व नवाचार सीखेंगें। इस नाहेप परियोजना के प्रभारी एवं निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय. पी. सिंह, निदेशक अनुसंधान सेवायें डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव अनिल सक्सेना, सह-परियोजना अन्वेषक डॉ. अखिलेश सिंह मौजूद रहे।

माया से बचना है तो महामाया को भजो :मां कनकेश्वरी

-महलगांव करौलीमाता मंदिर में श्रीमद्देवी भागवत का सांतवा दिन

ग्वालियर। संसारी मनुष्य के साथ साधु-संतों के लिए माया से मुक्ति होना आसान नहीं हैं, लेकिन जो महामाया की साधना कर लेते हैं, उन्हें माया नहीं व्यापती है। नवरात्रि के अनुष्ठान से मां की आराधना शुरू करो और धीरे धीरे ब?ते जाओ। मानव मन की ऐसी कोई कामना नहीं जो देवी अनुष्ठान से पूरी न हो।यह विचार महलगांव करौलीमाता एवं कुंवर महाराज मंदिर प्रागंण में आयोजित हो रही श्रीमद्देवी भागवत कथा के दौरान मां कनकेश्वरी देवी ने गुरूवार को व्यक्त किए। इस मौके पर महामंडलेश्वर कपिल मुनि महाराज ने व्यासपीठ का पूजन कराया। देवी कनकेश्वरी ने कहा कि परमशक्ति के जिस मंगलरूप की आप साधना करना चाहते हैं तो उनके रूप के स्मरण करो। ढाई अक्षर के नाम को सांसों में जो?कर जिस स्वरूप का आधार लेकर निराकार की मस्ती में जा सकते हैं। इसकी लिए मानवीय गुणों एवं संयम का अभ्यास करना होगा। जो आदतें खराब हैं, उन्हें धीरे धीरे छो?ना होगा क्योंकि कोई भी आदत अचानक नही छूटती

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478